सांध्य दैनिक **4PM**

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्षः 11 • अंकः 32 • पृष्ठः 8 • लखनऊ, मंगलवार, 4 मार्च, 2025

मूल्य ₹ 3/-

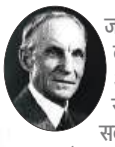

जो कोई भी सीखना छोड़ देता है वो बूढ़ा है, चाहे वो बीस का हो या अस्सी का। जो कोई भी सीखता रहता है वो जवान है। दुनिया की सबसे महान चीज है अपने दिमाग को युवा बनाये रखना।

–हेनरी फोर्ड

आईपीएल: अजिंक्य रहाणे बने... 7 | असम में विस चुनाव की आने... 3 | पशुओं के साथ हो रहा अमानवीय... 2

यूपी के राज्यपाल की कहानी गूंजी सदन में

विश्वविद्यालयों में एक ही जाति नजर आयी गवर्नर को

अनारा पटेल की कहानी भी सोशल मीडिया पर

- यूपी के 30 विश्वविद्यालयों में 22 कुलपति एक ही विशेष जाति के
- दलित-पिछड़ों को नहीं मिल रहा प्रतिनिधित्व
- पिछले 10 वर्षों से विश्वविद्यालयों में कार्य परिषद के चुनाव भी नहीं हुए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी की गवर्नर आनंदीबेन पटेल की राजनीतक मुश्किलें लगातार बढ़ रही है और उन पर आरोपों की बौछार है। गवर्नर आनंदीबेन पटेल की छवि बेटी अनारा पटेल के कारनामों के चलते भी धूमिल हो रही हैं वहीं यूपी सदन में कुलपतियों की नियुक्तियों का मामला सामने आने के बाद चारो ओर गवर्नर की कार्यशैली की चर्चा हो रही है। उत्तर प्रदेश सरकार के बजट सत्र में विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्तियों के पन्ने खुले तो गवर्नर आनंदीबेन पटेल की कार्यशैली पर सवालिया निशान खड़े हो गये।

हुआ यूं कि यूपी की मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी ने उच्च शिक्षा में चल रहे घालमेल को सदन में तथ्यों के साथ उजगार किया। एक के बाद एक वरिष्ठ सदस्यों ने सदन को बताया कि किस प्रकार से कुलपतियों की नियुक्ति की जा रही है। यूपी में कुल 30 विश्वविद्यालय हैं और उनमें 22 विश्विद्यालयों में एक ही जाति के कुलपति है। यही नहीं लखनऊ यूनिवर्सिटी का नाम लेते हुए सदन को बताया गया कि यहां कुछ भी ठीक नहीं चल रहा है। क्रीमी लेयर का सहारा लेकर फर्जी कागजों के सहारे प्रोफेसर तक बनाने का खुला खेल चल रहा है। यही नहीं कुलाधिपति जिस पर कार्रवाई करने के लिए निर्देश देती है उसे प्रोन्नत कर दिया जाता है।

योग्य उम्मीदवारों को नहीं मिली नियुक्ति

सपा विधायकों के मुताबिक प्रदेश के 30 विश्वविद्यालयों में 22 में एक ही वर्ग के लोगों को कुलपति नियुक्त किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि नियुक्तियों में व्यापक पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है। योग्य उम्मीदवारों को मौका नहीं दिया जा रहा है। वरिष्ठता सूची को दरकिनार कर मनमाने तौर पर लोगों को नियुक्त किया जा रहा है।

नियुक्तियों में सरकार का दखल होता है

उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा के प्रशासन की जिम्मेदारी राज्य सरकार और राज्यपाल के बीच साझा होती है। राज्यपाल विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति (चांसलर) होते हैं और कुलपतियों की नियुक्ति उन्हीं की सिफारिश पर की जाती है। हालांकि, नियुक्ति प्रक्रिया में सरकार की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है, क्योंकि कुलपति चयन समिति का गठन सरकार द्वारा किया जाता है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति पर विशेष मेहरबानी

समजावादी पार्टी के विधायक डॉ. आरके वर्मा ने भी इसी मुद्दे पर सरकार को घेरते हुए कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय सहित 24 राज्यों में नियुक्तियों में अनदेखी की जा रही है। कुलाधिपति ने जिस सहायक प्रोफेसर का पदावनत करने का आदेश दिया, उसे लखनऊ विश्वविद्यालय ने प्रोन्नति दे दी। इसके अलावा भी लखनऊ विश्वविद्यालय में नियमों की अनदेखी की जा रही है। इसके अलावा शिक्षकों के खिलाफ द्वेष भावना से कार्रवाई की जा रही है।

इसलिए नहीं कराये कार्य परिषद के चुनाव

कार्य परिषद के चुनाव विश्विद्यालय प्रशासन के का महत्वपूर्ण अंग होते हैं। परिषद विश्वविद्यालय के प्रशासन और नीति-निर्माण से जुड़े प्रमुख फैसले लेती है। इसमें कुलपति, शिक्षकों के प्रतिनिधि, सरकारी नामांकित सदस्य और अन्य शैक्षणिक एवं प्रशासनिक अधिकारी शामिल होते हैं। परिषद का प्रमुख कार्य विश्वविद्यालय के विकास और शिक्षा प्रणाली में सुधार के लिए नीतियाँ बनाना होता है। यहीं नहीं परिषद विश्वविद्यालय में शिक्षकों और प्रशासनिक अधिकारियों की नियुक्ति और पदोन्नति से जुड़े निर्णय भी लेती है। इसके अतिरक्त वित्तीय प्रबंधन, शैक्षणिक सुधार, अनुशासनात्मक कार्रवाई जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी कार्य परिषद का फैसला अंतिम फैसला होता है। ऐसे में कार्य परिषद के चुनाव क्यों नहीं कराये जा रहे यह आसानी से समझ में आने वाली बात है।

सपा ने सदन से किया वॉकआउट

सपा सदस्यों ने इस मुद्दे का ठीक जवाब न मिलने के कारण सदन से वाकआउट कर दिया।

मंत्री ने दिया जवाब- विपक्ष के आरोप निराधार

उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने इस मुददे का जवाब देने की कोशिश की लेकिन वह असफल रहे। उन्होंने कहा कि विपक्ष के सदस्यों ने जो आरोप लगाए गए हैं वह निराधार हैं। कुलपतियों की नियुक्तियां कुलाधिपति करते हैं। उन्होंने बताया कि कुलपतियों की नियुक्तियों में पीडीए को प्रतिनिधित्व दिया जा रहा है। कुलपतियों की नियुक्तियों में आरक्षण की कोई व्यवस्था नहीं है। यही नहीं उच्च शिक्षा मंत्री ने सदन को बताया कि कार्य परिषद का चुनाव कराने के लिए पूर्व में लिखा जा चुका है लेकिन वह यह नहीं बता सके कि पिछले 10 वर्षों से आखिर कार्य परिषद के चुनाव क्यों नहीं हुए।

अनारा पटेल के चलते चर्चा में गवर्नर

अनारा पटेल गुजरात की पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान में उत्तर प्रदेश की गवर्नर आनंदीबेन पटेल की इकलौती बेटी है। अनारा पर वर्तमान में कई गंभीर आरोप लगे हैं और उनको लेकर चर्चाओ का बाजार सदैव गर्म रहता है। वैसे तो ? वह किसी सवैधानिक पद पर नहीं है लेकिन ?उनके बारे में कहा जाता है कि वह कुछ भी काम करवा सकने में सक्षम हैं। अनारा उस समय चर्चा में आयी थी जब कांग्रेस ने उन पर सस्ती दरों में जमीन हड़पने के आरोप लगाये थे। वर्तमान में अनार पटेल गुजरात चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की सोशल रिस्पांसिबिलिटी कमिटी की को-चेयरमैन भी हैं। अनार पटेल की पहचान सोशल इंटरप्रिन्योर के तौर पर भी है। वे रियल एस्टेट के कारोबार में सक्रिय हैं। अनार पटेल ग्रामश्री नाम के एनजीओ की मैनेजिंग ट्रस्टी भी हैं। पाटीदारों में लेउवा पटेल के शक्तिशाली संगठन खोडलधाम ट्रस्ट अनारा पटेल को ट्रस्टी बनाया गया है।

गंभीर आरोप

यूपी के 30 विश्वविद्यालयों में 22 विश्वविद्यालयों में एक ही जाति के कुलपतियों को नियुक्ति मिली है। यही नहीं पिछले 10 वर्षों से विश्वविद्यालयों में कार्य परिषद के चुनाव भी नहीं कराये गये हैं। कार्य परिषद का गठन किसी भी युनिवर्सिटी के लिए एक महत्वपूर्ण सवैधानिक प्रक्रिया है जिसका पालन युनिवर्सिटी प्रशासन को करना ही पड़ता है लेकिन जानकार हैरानी होगी कि पिछले 10 वर्षों से यूपी की किसी भी युनिवसिर्टी में कार्य परिषद का गठन नहीं किया गया। कार्य परिषद ही युनिवर्सिटी में महत्वपूर्ण निर्णय लेती है। दरअसल सदन के शून्य प्रहर में समाजवादी पार्टी के सीनियर विधायक संग्राम सिंह यादव ने विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्तियों में पिछड़ों, दलितों की उपेक्षा किए जाने का आरोप लगाया।उन्होंने मुद्दा उठाते हुए सदन को अवगत कराया है कि कुलपतियों की नियुक्ति में दलित और पिछड़े वर्ग को प्रतिनिधित्व नहीं दिया गया है जिसके चलते इस इस वर्ग के लोगों में खासी नाराजगी व्याप्त है।

पशुओं के साथ हो रहा अमानवीय व्यवहार: माता प्रसाद

सपा ने सदन में उठाया गो-आश्रय स्थलों की दुर्दशा का मुद्दा, पशुधन मंत्री बोले- अब गाय देखकर कांपते हैं कसाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सोमवार को विधानसभा में बजट पर चर्चा की गई। इस दौरान विपक्ष ने गौवंशों की दुर्दशा को मामला सदन में उठाया। जिसपर पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि सपा सरकार में कसाई को देखकर गाय कांपती थी। वहीं भाजपा सरकार में कसाई गाय को देखकर कांपता है। इसके बयान के बाद सपा ने जमकर हंगामा किया।

विधान सभा नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि गो-आश्रय स्थलों पर इंतजाम बहुत कम हैं। पशुओं के साथ अमानवीय व्यवहार हो रहा है। सरकार को बजट बढ़ा देना चाहिए, जिसका हम समर्थन करेंगे। पांडेय ने कहा कि पशुओं के साथ दुर्घटना में घायल लोगों की कुछ दिन बाद मृत्यु हो जाती है। राज्य सरकार को उन्हें भी आर्थिक सहायता देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सपा सरकार में गाय कसाई से डरती नहीं थी। तब वह मोटी होती थी। वहीं सपा सदस्य अनिल प्रधान ने छुट्टा पशुओं द्वारा फसलों का नुकसान करने को लेकर सवाल उठाया, जिसके जवाब में मंत्री ने कहा कि फसलों का नुकसान होने की कोई शिकायत नहीं है। प्रदेश सरकार गोवंश के संरक्षण पर रोजाना 7.50 करोड़ रुपये खर्च कर रही है। यह राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है।

प्रदेश में कोई छुट्टा पशु नहीं : धर्मपाल

पशुधन मंत्री धर्मपाल ने कहा कि प्रदेश में कोई छुट्टा पशु नहीं है, बल्कि छोड़े गए पशु हैं। गो-आश्रय स्थलों के प्रबंधन के लिए माइक्रो मैनेजमेंट के दिशा-निर्देश दिए जा चुके हैं। राज्य सरकार ने हालिया बजट में 2000 करोड़ रुपये की व्यवस्था भी की है। पशुधन मंत्री सपा सदस्य महेंद्र नाथ यादव व संग्राम सिंह द्वारा किसानों की फसलों को छुट्टा जानवरों से बचाने के लिए योजना बनाए जाने को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। पशुधन मंत्री के जवाब पर संग्राम सिंह यादव ने कहा कि अधिकारियों के चक्कर में फंसकर मंत्री जवाब दे रहे हैं। वह खुद भ्रमण कर लें।

एकनाथ शिंदे को इतिहास नहीं पता : अवधेश प्रसाद

यूपी में फैजाबाद से समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने इस मामले पर अपनी बात रखी है। उन्होंने कहा कि एकनाथ शिंदे को इतिहास की जानकारी नहीं है। सपा सांसद ने कहा कि महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम को इतिहास का कोई ज्ञान नहीं है। अगर उन्हें इतिहास का ज्ञान होता तो वे ऐसा बयान नहीं देते। अबू आजमी के बयान निंदनीय नहीं हैं। समाजवादी पार्टी हमेशा समाज को जोड़ने और संविधान की रक्षा की बात करती है। महाराष्ट्र के डीसीएम अबू आजमी जो कहना चाहते थे उसका मर्म नहीं समझ पाए और इसीलिए वे बेबुनियाद टिप्पणी कर रहे हैं।

सपा सदस्य बृजेश कठेरिया ने उठाई आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की बात

विधानसभा में महिला कल्याण एवं बाल विकास मंत्री बेबी रानी मौर्या ने कहा कि अन्य राज्यों की भांति आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं को वेतन और अन्य सुविधाएं देने पर राज्य सरकार विचार नहीं कर रही है। वह सपा सदस्य बृजेश कठेरिया के सवाल का जवाब दे रही थीं। उन्होंने सदन को अवगत कराया कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं को बीमा योजनाओं से आच्छादित किया गया है। वहीं सपा सदस्य त्रिभुवन दत्त द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का मानदेय बढ़ाने को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने शासनादेश का हवाला देते हुए कहा कि यह सेवा मानदेय पर आधारित है।

औरंगज़ेब को महान देशभक्त कहना अस्वीकार्य : पाल

इस मामले में पर जेपीसी चेयरमैन और डुमरियागंज से सांसद जगदंबिका पाल ने भी प्रतिक्रिया दी। भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि चाहे कांग्रेस पार्टी हो या सपा नेता अबू आजमी, औरंगज़ेब को महान देशभक्त कहना अस्वीकार्य है, देश को लूटने और अत्याचार करने वाले लोगों का महिमामंडन करने वालों के खिलाफ़ कार्रवाई होनी चाहिए।

आजमी ने की थी औरंगजेब की तारीफ

समाजवादी पार्टी के नेता अबू आजमी ने सोमवार को मुगल शासक औरंगजेब की तारीफ की। अबू आजमी ने कहा कि औरंगजेब के कार्यकाल के दौरान भारत सोने की चिड़िया था। जिस तरह से औरंगजेब का इतिहास दिखाया जा रहा है, वह गलत है, उसने अपने कार्यकाल के दौरान कई हिंदू मंदिर बनवाए

मायावती ने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी से निकाला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में बसपा में उथल-पुथल मची हुई है। पार्टी के सारे पदों से हटाए जाने के बाद आकाश आनंद का विक्टिम कार्ड बसपा सुप्रीमो मायावती को रास नहीं आया। इसी वजह से उनकी नाराजगी बढ़ गई। उन्होंने आकाश को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाने में उन्होंने तनिक भी देर नहीं की। पार्टी सूत्रों की मानें तो आकाश आनंद बीते कुछ दिनों से पार्टी पर अपना वर्चस्व बनाने के लिए कुछ वरिष्ठ पदाधिकारियों के खिलाफ मोर्चा खोल रहे थे। इसमें उनके ससुर अशोक सिद्धार्थ भी अहम भूमिका निभा रहे थे।

सूत्रों की मानें तो पार्टी को अपने तौर-तरीकों से चलाने की आकाश की मुहिम को लेकर बीते कई दिनों से अंदरखाने नाराजगी बढ़ती जा रही थी। जो अहम फैसले मायावती के नजदीकी पदाधिकारी लेते थे, उनमें आकाश सीधे हस्तक्षेप करने लगे थे।

चर्चा यह भी है कि यूपी के बाद हरियाणा और दिल्ली में मिली शिकस्त के बाद आकाश गठबंधन की हिमायत कर रहे थे, जो कि मायावती के दिशा-निर्देशों का सीधा उल्लंघन था। कई बार गठबंधन करने पर बाद में धोखा मिलने से मायावती इसकी पक्षधर नहीं थी, जिसकी आकाश आनंद और उनकी टीम मुखालफत करने लगी थी।

लामबंदी करने से नाराज हुईं बसपा प्रमुख

बीते दिनों आकाश द्वारा कार्यकर्ताओं को संबोधित करने के दौरान कई वरिष्ठ पदाधिकारियों के खिलाफ की गई बयानबाजी का भी बसपा सुप्रीमो ने संज्ञान लिया था, हालांकि उस वक्त उन्होंने कोई कार्रवाई नहीं की थी। आकाश और उनके ससुर अशोक सिद्धार्थ द्वारा लगातार पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं की लामबंदी करना भारी पड़ गया। दोनों को पार्टी से निष्कासित कर दिया गया।

आसान नहीं आगे की राह

आकाश के निष्कासन के बाद अब उनकी आगे की राह आसान नहीं है। उनके पास पहला विकल्प अलग संगठन बनाना है। दूसरा विकल्प मायावती की नाराजगी कम होने का इंतजार करना है। हालांकि जिस तरह राजनीति में पर्दापण के बाद आकाश युवाओं की पसंद बनते चले गए, यह भविष्य में बसपा के लिए दिक्कत का सबब बन सकता है।

छत्तीसगढ़ की दुर्गति का है बजट : भूपेश बघेल

» पूर्व सीएम बोले- बजट में कुछ नहीं है, खत्म हुआ सिंगल माइक पॉडकास्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ के विष्णुदेव साय सरकार का दूसरा बजट वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने पेश किया। वित्त मंत्री ने 1 लाख 65 हजार 100 करोड़ का बजट पेश किया, जो पिछले साल की तुलना 12 प्रतिशत ज्यादा है। वहीं इस बजट को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने निराशाजनक बजट बताया है। उन्होंने बजट को लेकर भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा है। पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि ये बेहद निराशाजनक बजट है।

इस बजट में कुछ नहीं है, ना किसानों के लिए कोई योजना है, ना बेरोजगारों के लिए कोई योजना है और ना ही महंगाई कम करने के लिए कोई कार्य योजना है। उन्होंने कहा ये राज्य की दुर्गति का बजट है। मोदी जी ने तो 500 रुपये में सिलेंडर देने की बात कही थी उसके लिए भी इस बजट में कुछ नहीं है।उन्होंने भाजपा सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि मोदी ने तो 500 रुपये में सिलेंडर देने की बात कही थी, उसके लिए भी इस बजट में कुछ नहीं है। बजट में

पिछली बार ज्ञान की बात कही गई थी, इस बार उस ज्ञान को गति देने की बात कहे जाने पर पूर्व सीएम ने कहा कि ज्ञान के हिसाब से कुछ काम नहीं हुआ है। अब गति की बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसकी भी वही गति होगी, जो ज्ञान योजना की हुई। वहीं वित्त मंत्री के बजट भाषण को लेकर भूपेश बघेल ने तंज कसा है।

उन्होंने कहा कि ये बजट भाषण था या गणतंत्र दिवस का भाषण था या किसी कवि सम्मलेन की भूमिका थी? ये क्या था? ये जनता तो छोड़िए भाजपा के लोगों को खुद समझ नहीं आया होगा। उन्होंने बजट को लेकर कहा कि न जनता के लिए कोई राहत, न किसान, युवा, महिला के लिए कोई घोषणा। उन्होंने कहा कि बेहद निराशाजनक और सिंगल माइक पॉडकास्ट समाप्त हुआ।

हेमंत सोरेन सरकार का बजट दिशाहीन : चंपई

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने सोमवार को राज्य सरकार द्वारा पेश बजट को ''दिशाहीन'' करार दिया और कहा कि इसमें आदिवासियों, किसानों, मजदूरों और युवाओं के लिए कुछ भी नहीं है।राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 1.45 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया, जबकि 2024-25 में यह 1.28 लाख करोड़ रुपये का था। चंपई सोरेन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''यह एक दिशाहीन बजट है, जिसमें राज्य के आदिवासियों, मूलवासियों, किसानों, मजदूरों एवं युवाओं के लिए कुछ भी नहीं है। कहने को तो इसमें कई बड़ी घोषणाएं की गई हैं, लेकिन पिछले कई वर्षों से हर बार वही कहानी कही जाती है, लेकिन परिणाम कुछ नहीं निकलता है। कागज पर बड़ी-बड़ी योजनाएं घोषित कर रही इस सरकार को कोई याद दिलाये कि उन योजनाओं का क्रियान्वयन भी उनकी ही जिम्मेदारी है। पिछले बजटों की कितनी योजनाएं पूरी हुईं? पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि अबुआ बजट के नाम पर लोगों को गुमराह किया जा रहा है। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा, ''जब राज्य में ग्रीन कार्ड के लाभुकों को राशन और वृद्ध/ दिव्यांग/ विधवा लोगों को कई महीनों से पेंशन तक नहीं मिलती हो, तो क्या उम्मीद रखें?

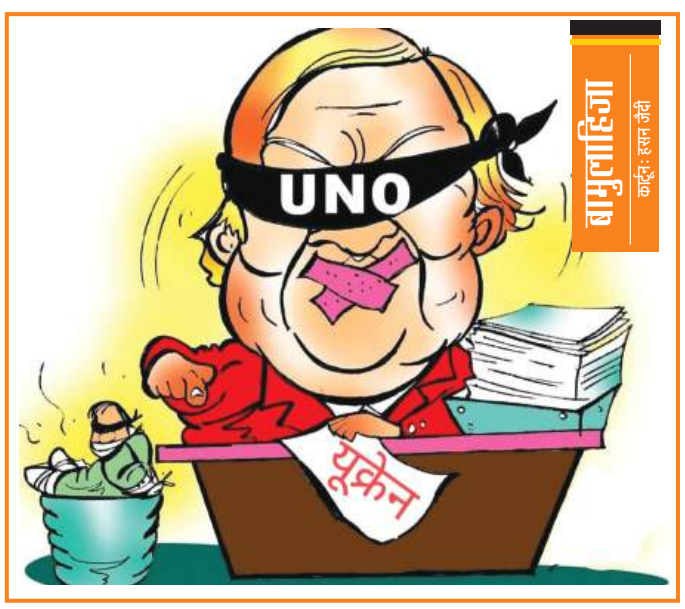

अरविंद केजरीवाल के पंजाब दौरे से गरमाई राजनीति

» विपक्ष बोला- सीएम मान राज्य का नहीं दे रहे ध्यान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। दिल्ली विधानसभा चुनाव में हार के बाद आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल पंजाब में ज्यादा सक्रि य होने लगें हैं। इससे प्रदेश की राजनीति गरमा गई है। पहले जब मनीष सिसोदिया ने पंजाब के स्कूलों का दौरा किया था, उस पर भी काफी विवाद हुआ था। अब विपक्ष ने केजरीवाल के प्रस्तावित दौरे का विरोध शुरू कर दिया है।

विपक्ष का आरोप है कि पंजाब में दिल्ली का दखल बढ़ता जा रहा है। सीएम मान इस तरफ ध्यान नहीं दे रहे हैं। पार्टी प्रमुख

अरविंद केजरीवाल चुनाव के बाद होशियारपुर के विपश्यना केंद्र पहुंचेंगे। केजरीवाल पिछली बार भी इसी विपश्यना केंद्र पर गए थे। पंजाब आप के प्रवक्ता नील गर्ग ने कहा कि केजरीवाल के विपश्यना केंद्र आने की चर्चा है। वह पहले भी यहां आ चुके हैं।

यह कोई राजनीतिक दौरा नहीं, बल्कि उनका निजी दौरा होगा। वह हमेशा विपश्यना केंद्रों

असम में विस चुनाव की आने लगी आहट!

विपक्ष को एकजुट करने की कोशिशों को लगा झटका

» सत्ता पक्ष से लेकर विपक्षी तक हो गए सक्रिय

» कई गैर भाजपाई दलों ने शुरू की कोशिश

» कांग्रेस ने अकेले चुनाव लड़ने के संकेत दिए, भाजपा भी तैयारी में जुटी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुवाहाटी। असम में अगले साल विधान सभा चुनाव होने हैं। उसकी आहट अभी से आने लगी है। सत्तारूढ़ भाजपा समेत वहां की विपक्षी दलों ने अभी से कमर कसना शुरू कर दिया है। जहां राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत विस्वासरमा अभी से जुट गए हैं। वह हर मंच से कांग्रेस को घेरने में लगे हुए हैं।

वहीं आगामी होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले गैर-भाजपा दलों को एक साथ लाने की कोशिश में बाधा आती दिख रही है, क्योंकि कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने मुख्य विपक्षी दल के अकेले चुनाव लड़ने की संभावना का संकेत दिया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा ने फेसबुक पर एक पोस्ट में पार्टी के अकेले चुनाव लड़ने की संभावना का संकेत दिया, जबकि एक दिन पहले विपक्षी दलों की बैठक से पार्टी सांसद प्रद्युत बोरदोलोई के अचानक चले जाने से भी भाजपा विरोधी मोर्चा बनाने के लिए आम सहमति को लेकर संदेह पैदा हो गया है। कांग्रेस, वाम दलों, रायजोर दल और असम जातीय परिषद (एजेपी) समेत विपक्षी दलों के प्रतिनिधियों ने गुवाहाटी के बाहरी इलाके सोनापुर के एक रिसॉर्ट में बैठक की थी।

गैर-भाजपा दलों को एक साझा मंच पर लाने की कवायद

राज्य में चुनाव के लिए गैर-भाजपा दलों को एक साझा मंच पर लाने के लिए प्रतिष्ठित नागरिकों ने यहां यह बैठक बुलाई थी। दो बार के लोकसभा सदस्य और पूर्व मंत्री बोरदोलोई बैठक से निकल गए और अपने वाहन से चले गए। बैठक छोड़कर, बीच में ही अचानक चले जाने के बारे में उन्होंने कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। बैठक में मौजूद रहे बोरा ने इसमें हुई बातचीत का खुलासा करने से इनकार कर दिया और कहा कि आयोजक निर्णय के बारे में जानकारी देंगे। हालांकि, रविवार सुबह फेसबुक पर उनकी पोस्ट से बड़े संभावित मतभेदों का संकेत मिला।बोरा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, एकला चलो रे। साथ ही उन्होंने लिखा, चुनाव से पहलेचुनाव के बाद। सोशल मीडिया पोस्ट पर प्रतिक्रिया या स्पष्टीकरण के लिए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष से संपर्क नहीं हो सका है।

पार्टियो ने एकजुट रहने का निर्णय लिया : डेका

बैठक के आयोजकों में शामिल प्रमुख लेखक और पूर्व डीजीपी हरेकृष्ण डेका ने दावा किया कि पार्टियों ने एकजुट रहने का निर्णय लिया है। डेका ने कहा कि चर्चा और बहस हुई। लेकिन अंत में यह निर्णय लिया गया कि बड़े उद्देश्य के लिए सभी गैर-भाजपा दल एक साथ आएंगे।

वामपंथी और उदारवादी हैं सबसे बड़ा खतरा : हिमंत

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने आरोप लगाया कि वामपंथी और उदारवादी हिंदुओ के लिए सबसे बड़ा खतरा है। शर्मा ने दावा किया कि मुसलमान या ईसाई कभी भी हिंदुओ के लिए खतरा नही है बल्कि हिंदुओ को कमजोर करने वाले लोग उनके अपने समाज मे ही है। उन्होने यहां एक निजी संगठन के पुरस्कार समारोह कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, मेरा मानना है कि वामपंथी और उदारवादी लोग हिंदुओ के लिए सबसे बड़ा खतरा है। शर्मा ने कहा, पश्चिम बंगाल मे हिंदुओ का कमजोर करने की प्रवृति (पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री) ममता बनर्जी को वामपंथियो और उदारवादियो से विरासत मे मिली है। शर्मा ने कहा कि व्यक्ति को यह याद रखना चाहिए कि भारत की सभ्यता 5,000 वर्ष से अधिक पुरानी है और इसकी शुरुआत 1947 मे देश की आजादी के साथ नही हुई। उन्होने अपने संबोधन मे कहा कि भारत स्वाभाविक रूप से एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है तथा किसी को भी इसे सहिष्णुता और भाईचारे के गुण सिखाने की जरूरत नही है। इस संबोधन का वीडियो उन्होने अपने एक्स हैडल पर साझा किया। असम के मुख्यमंत्री ने कहा, अगर राहुल गांधी या ममता बनर्जी सोचती है कि हिंदुओ का अस्तित्व खत्म हो जाएगा, तो उन्हे पता होना चाहिए कि हिंदू हमेशा रहेंगे।

लोस चुनावों के दौरान राज्य मे 16 विपक्षी दलों का गठबंधन बना था

पिछले साल लोकसभा चुनावो के दौरान राज्य मे 16 विपक्षी दलो का गठबंधन बना था, लेकिन पांच विधानसभा सीट पर उपचुनाव के समय सीटो के बंटवारे को लेकर यह गठबंधन टूट गया था। असम सोनोमिलिटो मोर्चा (एएसओएम) ने कांग्रेस के साथ के बिना उपचुनाव लड़ा था। भाजपा और उसके सहयोगियो ने पांचो सीटो पर जीत हासिल की थी और विपक्ष कोई सीट नही जीत पाया था।

लोकतंत्र में तर्क-वितर्क होते हैं : गोगोई

असम गण परिषद के अध्यक्ष लुरिनज्योति गोगोई ने भी कहा कि एकजुट रहने का निर्णय लिया गया। उन्होने दावा किया,लोकतंत्र मे तर्क-वितर्क होते है। सांसद व्यक्तिगत कारणो की वजह से बैठक से चले गए। निर्णय यह हुआ कि हम एकजुट रहते हुए आगे बढ़ेगे। रायजोर दल के प्रमुख और विधायक अखिल गोगोई ने भी कहा कि बैठक सर्वसम्मति से निर्णय लिए जाने के साथ समाप्त हुई। उन्होने कहा,कोई भी नाराज होकर नही गया। बहस हुई। लेकिन अंत मे, निर्णय सर्वसम्मति से हुआ।

बंगाल में चुनावों से पहले सियासी बवाल!

» टीएमसी सरकार के खिलाफ विपक्ष ने उठाए साल

» सदन से सड़क तक छिड़ी टीएमसी व वामदलों की लड़ाई

» विश्वविद्यालय से लेकर कोर्ट तक मामले बढ़े

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकता। पश्चिम बंगाल अगले साल चुनाव होनें हैं। वहां अभी से सियासी पार्टियों में सिरफुटव्वल शुरू हो गया है। जहां सत्ता में बैठी टीएमसी अपनी सरकार की तारीफ कर रही है और विपक्षी दलों पर सरकार को बदनाम करने को आरोप लगा रही है। वंही भाजपा, कांग्रेस व वामपंथी दल टीएमसी व सीएम ममता बनर्जी पर हमला करने का कोई भी मौका नहीं छोड़ रहे है।

भाजपा हिंदुत्व के सहारे बंगाल की वैतरणी पार करना चाहती है तो कांग्रेस, वामपंथी भाजपा व टीएमसी को घेरने में लगे हुए हैं। इस बीच ममता बनर्जी के भतीजे को लेकर भी राजनीति होती रहती है। कभी-कभी अभिषेक बनर्जी के भाजपा में जाने की अफवाहें उड़ती है। हालांकि टीमएसी सांसद ने इन बातों को हर मंच से खारिज किया है। इसबीच टीमएसी व वामपंथियों में बात इतनी बढ़ गई है कि मामला कोर्ट तक पहुंचने लगा है।

टीएमसी ने वामपंथी प्रदर्शनकारियों का किया विरोध

टीएमसी ने वामपंथी प्रदर्शनकारियों द्वारा बसु के साथ बदसलूकी, सत्तारूढ़ दल से संबद्ध पश्चिम बंगाल कॉलेज एवं विश्वविद्यालय प्राध्यापक संघ (डब्ल्यूबीसीयूपीए) के एक कार्यक्रम के दौरान तोड़फोड़ और इसके कई सदस्यों पर हमले के विरोध में प्रदर्शन किया। मंत्री 'पश्चिम बंगाल कॉलेज एवं विश्वविद्यालय प्राध्यापक संघ ' की वार्षिक आम बैठक में शामिल होने के लिए वहां गए थे।

छात्रों के हिंसक प्रदर्शन से गरमाई राज्य की सियासत

पश्चिम बंगाल के कोलकाता में जादवपुर विश्वविद्यालय (जेयू) में शनिवार को राज्य के शिक्षा मंत्री ब्रत्य बसु के दौरे के दौरान छात्रों ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान कुछ छात्रों ने कथित तौर पर मंत्री की गाड़ी को घेर लिया और उसके शीशे तोड़ दिए। इतना ही नहीं प्रदर्शनकारियों ने मंत्री के साथ मारपीट भी की। उधर, प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि मंत्री के काफिले में शामिल एक वाहन की चपेट में आने से कुछ छात्र घायल हो गए। फिलहाल विश्वविद्यालय परिसर में शांति है।यह विरोध प्रदर्शन माकपा की छात्र शाखा स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) और अन्य वामपंथी छात्र संगठनों के सदस्यों द्वारा आयोजित किया गया था। यह विरोध प्रदर्शन छात्र संघ चुनाव जल्द से जल्द कराने की मांग को लेकर किया गया। पश्चिम बंगाल कॉलेज और यूनिवर्सिटी प्रोफेसर्स एसोसिएशन (डब्ल्यूबीसीयूपीए) के प्रतिनिधियों ने जादवपुर पुलिस स्टेशन में छात्र संगठनों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलपति भास्कर गुप्ता के साथ भी वामपंथी छात्रों के एक वर्ग ने दुर्व्यवहार किया। यह तब हुआ जब वह घायल छात्रों में से एक इंद्रानुज रॉय को देखने निकटवर्ती निजी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल गए थे। जब गुप्ता शनिवार देर रात करीब 12.30 बजे घायल छात्र से मिलने अस्पताल पहुंचे तो गुस्साए छात्रों ने उनके साथ गाली-गलौज की।

टीएमसी ने वामपंथी नेताओ पर नशीले पदार्थ मुहैया कराने का लगाया आरोप

टीएमसी ने आरोप लगाया था कि वामपंथी नेताओं ने शराब और नशीले पदार्थ मुहैया कराकर पार्टी कार्यकर्ताओं को उन पर और यूडीएफ कार्यकर्ताओं पर हमला करने के लिए भेजा था। अनवर ने कथित तौर पर कहा था, ''यदि आप ऐसा करेंगे, तो हम आपके घर आएंगे और आपका सिर फोड़ देंगे। इसलिए बेहतर होगा कि आप अपना ध्यान रखें।

वामपंथी नेताओं को धमकाने के आरोप में तृणमूल के प्रदेश संयोजक के खिलाफ मामला दर्ज

अनवर ने 25 फरवरी को एक भाषण में दावा किया था कि कुछ वामपंथी नेता अपने पार्टी कार्यकर्ताओं को उन पर और यूडीएफ कार्यकर्ताओं पर हमला करने के लिए भेज रहे हैं। उन्होंने जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी थी। तृणमूल कांग्रेस के प्रदेश संयोजक पी वी अनवर के खिलाफ कुछ दिन पहले कुछ वामपंथी नेताओं के खिलाफ ''धमकी भरी टिप्पणी'' करने के सिलसिले में मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। स्थानीय माकपा नेता की शिकायत पर एडक्कारा थाने में अनवर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। नेता ने आरोप लगाया था कि पूर्व विधायक ने हाल ही में एक भाषण में क्षेत्र में शांति में खलल डालने और अशांति पैदा करने की धमकी दी थी। अनवर ने 25 फरवरी को एक भाषण में दावा किया था कि कुछ वामपंथी नेता अपने पार्टी कार्यकर्ताओं को उन पर और यूडीएफ कार्यकर्ताओं पर हमला करने के लिए भेज रहे हैं। उन्होंने जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी थी।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

ग्लोबल वार्मिंग का असर अभी सताने लगी है गर्मी

अभी फरवरी खत्म हुआ है। मार्च का महीना शुरू ही हुआ है। अमूमन होली तक ठंड रहती है। पर जैसे आधे फरवरी के बाद गर्मी पड़ने लगी उससे पता चलता है कि ग्लोबल वार्मिंग का असर भयानक रूप से पूरे विश्व को अपनी गिरफ्त में ले रहा है। अभी हाल में उत्तराखंड के चमोली में ग्लेशियर के पिघलने से आठ लोगों की मौत हो गई। अप्रैल का महीना आने वाला है। इस महीने के खत्म होते ही चुभती गर्मी का मौसम शुरू हो जाएगा। अप्रैल के आखिर तक पारा 40 डिग्री के पार जा सकता है। हीटवेव का कहर पूरे भारत को अपनी चपेट में ले लेगा। भारत में हीटवेव का मुख्य कारण क्या है? हीटवेव और एयर पलूशन के बीच क्या नाता है? हीट वेव आमतौर पर मार्च से जून के दौरान उत्तर पश्चिमी भारत, मध्य, पूर्व और उत्तर प्रायद्वीपीय भारत के मैदानी इलाकों में महसूस होती है। इसमें पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और कर्नाटक के कुछ हिस्से, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना शामिल हैं।

पेरिस के वैज्ञानिकों ने जलवायु परिवर्तन से जुड़े मामलों पर शोध किया जिसमे मौसम में बदलाव का कारण जलवायु परिवर्तन भी है। पिछले कुछ सालों में वर्ल्ड वेदर एट्रिब्यूशन नेटवर्क के साथ मिलकर भारत में गर्मीलहरों पर तीन अध्ययन किए हैं (2016, 2022 और 2023)। साल 2022 में मार्च से अप्रैल के अंत तक भारत में एक बहुत बड़ी गर्मीलहर देखी गई, जिसमें तापमान सामान्य से काफी ज्यादा था। उसमे ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा बढ़ने के कारण ऐसी परिस्थितियाँ अब और ज्यादा बार-बार हो रहीं हैं। पिछले साल अप्रैल में, खासकर पूर्वी भारत के तटीय इलाकों में बहुत उमस भरी गर्मी पड़ी थी। इससे शरीर की गर्मी सहन करने की क्षमता (हीट स्ट्रेस इंडेक्स) बहुत ज्यादा बढ़ गई थी, जो खतरनाक सीमा को पार कर चुकी थी। अध्ययन के अनुसार, जलवायु परिवर्तन न होने पर ऐसी घटनाओं की संभावना 30 गुना कम होती। भारत में पछले कुछ समय में औसत तापमान लगभग दो डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका है। वैज्ञानिक राजनीति से नहीं, बल्कि सच्चाई से प्रेरित होते हैं। आधुनिक तकनीक, आंकड़ों के विश्लेषण और प्रत्यक्ष निरीक्षणों की मदद से जलवायु परिवर्तन और गर्मीलहरों के बीच संबंध स्थापित कर पाए हैं। इसके लिए हम हीटवेव के आंकड़ों की तुलना जलवायु मॉडल से करते हैं। ये मॉडल अतीत के आंकड़ों पर आधारित होते हैं, और कुछ ऐसे भी होते हैं जो अतीत के आंकड़ों को शामिल नहीं करते। इस तुलना से हम ट्रेंड और आंकड़ों में अंतर देख पाते हैं। सरल भाषा में कहें तो, हम हीटवेव के दो समूहों की तुलना करते हैं - एक जलवायु परिवर्तन के साथ और दूसरा बिना इसके। यह वही तरीका है जिसका इस्तेमाल महामारी विज्ञान आदि में भी किया जाता है। इन अध्ययनों से यही निष्कर्ष निकलता है कि भारत पहले से ही गर्म देश रहा है, खासकर मानसून से पहले। अब जंगलों को बचाने की जरूरत है।

“ अप्रैल के आखिर तक पारा 40 डिग्री के पार जा सकता है। हीटवेव का कहर पूरे भारत को अपनी चपेट में ले लेगा। भारत में हीटवेव का मुख्य कारण क्या है? हीटवेव और एयर पलूशन के बीच क्या नाता है? हीट वेव आमतौर पर मार्च से जून के दौरान उत्तर पश्चिमी भारत, मध्य, पूर्व और उत्तर प्रायद्वीपीय भारत के मैदानी इलाकों में महसूस होती है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

यूक्रेन के दुर्लभ खनिज पर अमेरिकी गिद्ध दृष्टि

पुष्परंजन

शुक्रवार को पूरी दुनिया की निगाहें व्हाइट हाउस में होने वाली एक डील पर होंगी, जिसे एक देश पर थोपा जाना है। अमेरिका जिन देशों को आर्थिक मदद देता है, उसे किस रूप में वसूलता है, यह देखने के लिए भारत के लोग भी तैयार हो जाएं। यूक्रेन की लीडरशिप के लिए आगे कुआं-पीछे खाई वाली स्थिति है। जेलेंस्की पुतिन से बचने के वास्ते अमेरिका से मदद की अपेक्षा कर रहे थे, ट्रंप ने भूखे हिंस्र जंगल के राजा की तरह 'मेमने' को दबोच लिया। ट्रंप ने गुरुवार को पत्रकारों से कहा, 'मैंने सुना है कि वह शुक्रवार को आ रहे हैं। निश्चित रूप से, अगर वह चाहें तो मुझे कोई आपत्ति नहीं है। ट्रम्प ने कहा, कि यह डील एक ट्रिलियन डॉलर तक की हो सकती है, इससे अमेरिकी करदाताओं को उनका पैसा वापस मिल जाएगा।'

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को कहा था, कि अमेरिका और यूक्रेन ने महत्वपूर्ण खनिजों के सौदे के मसौदे पर सहमति जताई है, जिसकी कीमत लगभग 1 ट्रिलियन डॉलर हो सकती है। यह सौदा यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की द्वारा पहले के मसौदे को अस्वीकार करने के एक सप्ताह बाद हुआ है। ट्रम्प ने मंगलवार को ओवल ऑफिस में संवाददाताओं से कहा कि जेलेंस्की शुक्रवार को वाशिंगटन आकर एक 'बहुत बड़ी डील' पर हस्ताक्षर करना चाहते हैं। बुधवार शाम को, जेलेंस्की ने कहा कि यह अमेरिका के साथ सहयोग के लिए एक आर्थिक ढांचा है, जिसमें अभी तक कोई अमेरिकी सुरक्षा गारंटी शामिल नहीं है। पिछले हफ्ते जेलेंस्की ने एक पुराने ड्राफ्ट को अस्वीकार कर दिया था, क्योंकि इसमें यूक्रेन के लिए सुरक्षा गारंटी के बारे में विवरण नहीं था। ट्रंप अब भी बदले नहीं हैं। राष्ट्रपति ट्रम्प ने बुधवार को कहा, 'मैं बहुत ज्यादा सुरक्षा गारंटी नहीं देने जा रहा हूं। हम यूरोप से ऐसा करवाने जा रहे हैं।' नोक-झोंक में ट्रम्प ने जेलेंस्की को 'तानाशाह' तक कह डाला था। सोमवार को, जेलेंस्की ने कहा था कि मैं शांति के लिए इस्तीफा देने के लिए तैयार हूं।

जेलेंस्की ने मांग की, कि यूक्रेन को अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) की सदस्यता दी जानी चाहिए। लेकिन, वाशिंगटन ने नाटो का सदस्य बनने की मांग को 'अवास्तविक' करार दिया है। अमेरिका की गिद्ध दृष्टि यूक्रेन की दुर्लभ खनिज संपदा पर है। दुर्लभ मृदा खनिज वैश्विक स्तर पर पृथ्वी के गर्भ में पाए जाने वाले 17 भारी धातुओं का एक समूह

है। नियोडिमियम, लैंथेनम, सेरियम, प्रेजोडियम, यिट्रियम, टेरबियम और यूरोपियम जैसे कुछ दुर्लभ मृदा तत्वों का उपयोग कंप्यूटर हार्ड ड्राइव, टेलीविज़न, मोबाइल स्क्रीन और कैमरा लेंस जैसे उच्च तकनीक वाले उत्पादों के निर्माण में किया जाता है। वर्तमान में, ऐसे दुर्लभ खनिजों का सबसे बड़ा उत्पादक चीन है, जो दुनिया की आपूर्ति का कम से कम 60 प्रतिशत निकालता है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, 2024 में अमेरिका अपनी 80 प्रतिशत दुर्लभ खनिजों की जरूरतों के लिए चीन, मलेशिया, जापान और एस्टोनिया पर निर्भर था। कीव के साथ दुर्लभ खनिजों का सौदा करने के पीछे की मंशा, अमेरिका को बड़ी तकनीक का अधिकेंद्र बनाना है। अपने अभियान के दौरान, ट्रम्प ने एक अन्य करीबी सहयोगी ताइवान पर अमेरिका के चिप व्यवसाय को चुराने का भी आरोप लगाया था। टैरिफ की धमकियों के बीच, ताइवान ने अमेरिका में निवेश बढ़ाने का वादा किया। इस महीने की शुरुआत में, ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में संवाददाताओं से कहा था, कि हम यूक्रेन को वाशिंगटन द्वारा भेजे गए लगभग 375.8 बिलियन डॉलर की वापसी चाहते हैं। कीव को भेजी गई सहायता के बारे में ट्रम्प के अनुमान अमेरिकी सरकार के आंकड़ों के विपरीत हैं। 'यूक्रेन ओवरसाइट' के अनुसार, 30 सितंबर, 2024 तक अमेरिका ने यूक्रेन की सहायता के लिए कुल 183 बिलियन डॉलर भेजे थे, जो यूक्रेन को भेजी गई सहायता को रिकॉर्ड करने के लिए अमेरिकी सरकार द्वारा बनाई गई एक वेबसाइट है। जिस स्टाइल में ट्रंप यह सब कर रहे हैं, उसका दुनिया भर में विरोध होना शुरू हो गया है।

'सेंटर फॉर यूरोप एशिया स्टडीज' की निदेशक और 'शिकागो काउंसिल ऑन ग्लोबल अफेयर्स' की सीनियर फेलो थेरेसा फॉलन ने कहा, 'ऐसा लगता है कि डोनाल्ड ट्रंप ने ऐसा करके अंतर्राष्ट्रीय नीति के सभी मानदंडों को तोड़ दिया है, और वह इतना लेन-देन करके अमेरिका की बहुत सी सॉफ्ट पावर खो रहे हैं।' फॉलन ने फिर कहा, 'लेन-देन करना ठीक है, लेकिन यह तो जबरन वसूली है।' यूक्रह्मह्मह्महोन के पास 34 पदार्थों में से 22 मिनरल्स हैं जिन्हें यूरोपीय संघ 'महत्वपूर्ण कच्चे माल' के रूप में परिभाषित करता है। दुनियाभर में 110 मिलियन टन दुर्लभ खनिज हैं। इसमें से 44 मिलियन टन चीन में हैं, जो दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक है।

सद्भाव व मानवीय मूल्यों के संवर्धन का महोत्सव

क्षमा शर्मा

पैंतालीस दिन के आयोजन के बाद कुंभ समाप्त हो गया। सरकार ने सोचा था कि इसमें पैंतालीस करोड़ लोगों के आने की सम्भावना है, मगर दावा है कि आये छियासठ करोड़, इक्कीस लाख। यानी कि बीस करोड़ से ज्यादा। चैनल्स पर लगातार जिस तरह से कुंभ के दृश्य दिखाए गए, उससे हैरत होती थी। सिर पर भारी-भारी सामान लादे लोग, पैदल चलते। कोई अपने बूढ़े पिता को गोद में उठाए, कोई स्त्री अपनी सास को पीठ पर लादे, दो लड़के अपनी मां या घर की किसी वृद्ध महिला को सहारा देते। खुले आसमान के नीचे सोते। एक तरफ से दस से पंद्रह किलो मीटर तक चलना, लेकिन किसी तरह का उत्पात नहीं, कोई लूटपाट नहीं, कोई नफरत नहीं, कोई दंगा-फसाद भी नहीं। क्या डेढ़ महीने से अधिक के इतने बड़े आयोजन के बावजूद, इतनी अनुशासित भीड़ किसी ने देखी है। यूरोप की आबादी से भी यह भीड़ बस कुछ कम है। अमेरिका की कुल आबादी चौंतीस करोड़ है और पूरे यूरोप की चौहत्तर करोड़। यदि किसी दूसरे देश में इतनी भीड़ इकट्ठी हो, लगातार आ रही हो, तो वहां क्या होगा, इसकी सहज ही कल्पना की जा सकती है।

कुंभ को लेकर विपक्ष की जो भूमिका रही, उस पर आश्चर्य होता है। आप भाजपा सरकार का विरोध कर सकते हैं, उसकी आलोचना कर सकते हैं, मगर जो लोग इतनी लम्बी-लम्बी यात्राओं के बाद प्रयागराज आए, उनकी आलोचना करने और मजाक उड़ाने का क्या अर्थ है। किसी की भावनाओं को अपने-अपने राजनीतिक चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। क्या उन लोगों के वोट विपक्ष को नहीं चाहिए। देश के दूर-दराज के इलाकों से ही नहीं, विदेशों से भी बहुत से लोग आए। एक से एक बड़े लोग आए। बड़े-बड़े नेता आए। उद्योगपति आए। अम्बानी सपरिवार आए। अडानी ने तो वहां बड़े स्तर पर खाने-पीने का प्रबंध किया। कैटरीना कैफ, रवीना टंडन, विक्की कौशल, अनुपम खेर, ममता कुलकर्णी, मिलिंद सोमन, राजकुमार राव, अक्षय कुमार जैसे अनेक अभिनेता, अभिनेत्रियां भी आए। क्या ये सब मजाक उड़ाने लायक हैं। और क्यों। आप कौन होते हैं किसी का मजाक उड़ाने वाले। किसने ये अधिकार दिया। इतनी संवेदनहीनता की तो उम्मीद नहीं की जा सकती। सच तो ये है कि जब आप किसी का मजाक उड़ाते हैं, तो अपना मजाक उड़वाने की तैयारी कर रहे होते हैं।

कई परिचित कुंभ में गए थे। बहुराष्ट्रीय निगम में काम करने वाली एक लड़की भी गई थी। बाकी जहां रहती हूं, वहां से भी बहुत से लोग गए थे। सभी ने एक सुर में कहा कि वहां इंतजाम बहुत अच्छे थे। कोई बीमार पड़ा तो उसे तत्काल इलाज की सुविधा मिली। खास तौर से पुलिस की भूमिका बेहद सराहनीय थी। उसी लड़की ने कहा कि वह जिनके साथ गई थी, उनसे बिछुड़ गई। घबराहट में रोने लगी। तभी एक पुलिस वाला उसके पास आया। सारी बात जानकर उसने कहा- रोओ मत। अभी मैं तुम्हें मिलवाता हूं। फिर उसने लड़की से उन लोगों के नम्बर लिए जिन्हें लड़की मिला रही थी और मिल नहीं रहे थे। उसने काफी प्रयास के बाद उन लोगों से सम्पर्क साधा और लड़की को मिलवाया।

इसी तरह गुड़गांव की एक महिला को पुलिस ने रोते देखा । पूछने पर पता चला कि वह गुड़गांव से आई है, साथ वालों से बिछड़ गई है। उसे पता नहीं कि अकेली कैसे लौटना है। पुलिस ने उसे ढांढस बंधाया। कहा कि अगर उसके साथ के लोग नहीं मिले, तो वे उसे गुड़गांव तक छोड़कर आएंगे। कुंभ के समापन के दिन पुलिस ने बताया कि इस दौरान तीस हजार बिछड़े लोगों को मिलवाया गया। तीस हजार कोई मामूली संख्या नहीं है। पुलिस के अच्छे कामों की शायद ही कभी सराहना की जाती है। बल्कि बुद्धिजीवी वर्ग अक्सर बाल की खाल निकालने को तत्पर रहते हैं। क्योंकि किसी की तारीफ करने के मुकाबले आलोचना करना बड़ा आसान है। इतनी बड़ी भीड़ का प्रबंधन कैसे किया गया होगा। सरकार और ब्यूरोक्रेसी ने अपने को झोंक दिया होगा। कुंभ के बाद न जाने कितने दिन इन लोगों को अपनी थकान उतारने में लगेंगे। पर इनकी चिंता भला किसी को क्यों हो । लेकिन हम इन सब बातों को याद नहीं रखेंगे। सिवाय तरह-तरह से आलोचना करने के। यह बात अलग है कि जब हमारे घर में शादी-ब्याह होता है, तो हम मात्र सौ-पचास लोगों का इंतजाम करने में सारी ताकत झोंक देते हैं। सिर के बल खड़े हो जाते हैं, फिर भी आने वाले खुश नहीं होते। यही हाल किसी सभा-सेमिनार का होता है।

तो हम तो सौ-पचास का इंतजाम करने में घबरा जाते हैं, मगर आलोचक बनते वक्त परम निंदक बन जाते हैं। प्रयागराज में कुंभ के दौरान जो हादसा हुआ, लोगों की जान गई, या कि नई दिल्ली स्टेशन की भगदड़ में लोगों की जान गई वह बहुत दर्दनाक है। ऐसा नहीं होना चाहिए था। किसी परिवार के लिए अपने परिजन की जो कीमत होती है, वह वही जानता है। लेकिन इसमें कुंभ का क्या दोष। वहां आने वाले श्रद्धालुओं को क्यों हम अपने चश्मे से देख रहे हैं। या वे इस देश के नागरिक नहीं। फिर उन्हें यहां आने के लिए शायद ही किसी तरह की सरकारी सहायता दी गई है। जिस से जो साधन बना, वह उसके जरिए यहां पहुंचा। हमें उनकी हिम्मत की दाद देनी चाहिए। इसके अलावा जो लोग नहीं गए, वे भी किसी आक्षेप के दोषी नहीं हैं, न ही मजाक उड़ाने लायक हैं। अपनी मर्जी है, जो जाना चाहे वह जाए, जो नहीं जाना चाहता उस पर कोई जबर्दस्ती नहीं। एक धर्मिक नेता ने कहा कि जो लोग कुंभ नहीं आ रहे हैं, वे देश से प्रेम नहीं करते। यह बात भी गलत है।

वृंदावन के ये स्थल कृष्ण लीलाओं के हैं साक्षी

वृंदावन उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में मौजूद एक ऐतिहासिक शहर है। गोकुल-वृंदावन भगवान श्री कृष्ण की लीलाओं का साक्षी है। वृंदावन की हर गली और नुक्कड़ में उनकी लीलाओं को आज भी महसूस किया जा सकता है। श्रीकृष्ण से जुड़ी ये नगरी अनगिनत अद्भुत स्थलों से भरी हुई है। यहां ऐसे स्थान भी हैं जो प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों में शामिल हैं, साथ ही इन की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्ता अत्यधिक है। हिंदू मान्यताओं के अनुसार, भगवान कृष्ण ने अपने बचपन के दिन यहीं बिताए थे। वृंदावन धाम राधा और कृष्ण की पूजा के लिए समर्पित है और कई मंदिरों को भी समेटे हुए हैं।

विश्राम घाट

वृंदावन परिक्रमा मार्ग पर स्थित यह स्थल भक्तों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह स्थान वह पवित्र स्थल है जहां श्री चैतन्य महाप्रभु ने विश्राम किया था और अपने भक्तों के साथ राधा-कृष्ण के गुण गाए थे। यहां जगन्नाथ जी की अद्वितीय विग्रह के दर्शन होते हैं, जो अन्यत्र दुर्लभ हैं। यह स्थान वैष्णव परंपरा में एक विशेष स्थान रखता है, और यहां पर श्री चैतन्य महाप्रभु की भक्ति और प्रेम की गहराई को अनुभव किया जा सकता है।

राधा श्यामसुंदर मंदिर

राधा श्याम सुंदर मंदिर, भगवान श्रीकृष्ण के भक्तों के लिए अद्वितीय स्थान है। इस मंदिर की स्थापना श्री श्यामानंद जी ने की थी। यह राधा रानी का प्रिय मंदिर है, जहां उनकी विशेष कृपा मानी जाती है। मंदिर में श्री श्याम सुंदर की विग्रह को राधारानी ने स्वयं श्यामानंद जी को भेंट किया था, यह ऐतिहासिक तथ्य इस स्थान को विशेष बनाता है। यहां के अलौकिक श्रृंगार और पूजा अनुष्ठान इस मंदिर को और भी अद्भुत बनाते हैं। इस मंदिर की चार परिक्रमा करें, जिससे भक्त राधा रानी के चरणों की प्राप्ति कर सकें।

सेवा कुंज

वृंदावन के बीचोबीच स्थित सेवा कुंज स्थल भक्तों के लिए अत्यंत पवित्र है। यह स्थल भगवान श्रीकृष्ण की रास स्थली के रूप में जाना जाता है और यहां रात के समय प्रवेश निषेध है। इसके पीछे मान्यता है कि रात्रि के समय श्रीकृष्ण और राधा रानी यहां अपनी लीलाएं करते हैं। यहां पर श्रीकृष्ण ने श्रीमती राधारानी के पांव दबाए थे, जिससे इसका नाम सेवा कुंज पड़ा। ऐतिहासिक दृष्टि से यह स्थान वैष्णव भक्तों के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। सुबह 5 :30 बजे मंगला आरती में शामिल हों, जहां आपको श्रीकृष्ण और राधारानी के द्वारा उपयोग किए गए बिस्तर, पान, और दातुन के दर्शन होंगे।

वृंदावन चंद्रोदय मंदिर

ये स्थान वृंदावन के प्रमुख क्षेत्र में स्थित है। यह मंदिर आने वाले समय में दुनिया का सबसे ऊंचा मंदिर बनने जा रहा है। वृंदावन चंद्रोदय मंदिर, भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं और उनके प्रति समर्पण के प्रतीक के रूप में तैयार हो रहा है। इसका निर्माण इस उद्देश्य से किया जा रहा है कि दुनियाभर में भगवान श्रीकृष्ण की महिमा का प्रसार हो। यहां की आधुनिक तकनीक और भव्य स्थापत्य इसे भविष्य में एक प्रमुख धार्मिक केंद्र बनाएगी। मंदिर की अद्भुत संरचना का अनुभव करें और यहां बनने वाले आध्यात्मिक केंद्र की जानकारी प्राप्त करें। भविष्य में यहां बनने वाले थीम पार्क और सांस्कृतिक केंद्र भी आपकी यात्रा को और खास बनाएंगे।

हंसना मना है

पति- अगर मैं मर गया तो तुम दूसरी शादी करोगी? वाइफ- नहीं, मैं अपनी बहेन के साथ पूरी जिन्दगी रह लुंगी। वाइफ- अगर मैं मर गयी तो तुम दूसरी शादी करोगे? हसबैंड - मैं भी तुम्हारी बहेन के साथ पूरी जिन्दगी रह लूंगा।

पहला दोस्त- 'यार मैं जिस लड़की को चाहता हूं, उसने मुझसे शादी नहीं की। दूसरा दोस्त- 'तुमने उसे बताया के तेरा चाचा करोड़पती है? पहला दोस्त : ' हां मैंने बताया था। दूसरा दोस्त - 'तो फिर पहला दोस्त - अब वो मेरी चाची है।

आजकल दो चीज सिर्फ किस्मत वालों को ही मिलती है.. एक तो जंगल में घुमता सफेद हाथी..! और दुसरा बिना अफेयर वाला जीवन साथी।

पति मरते वक्त बीवी से- अलमारी से तेरा गोल्ड सेट मैंने ही चोरी किया था! बीवी रोते हुए- कोई बात नहीं जी, पति- तेरे भाई ने तुझे 1 लाख अमानत दी थी, वो भी मैने गायब की! बीवी- मैने आपको माफ किया! पति- तेरी कमेटी के पैसे भी मैने ही चोरी किये थे! बीवी- कोई बात नहीं जी, आपको जहर भी मैंने ही दिया है।

टीचर- बताओ सबसे नशीला पदार्थ कौन सा होता है? पप्पू- किताब है सर, साला खोलते ही नींद आ जाती है।

कहानी | चांद पर खरगोश

बहुत समय पहले गंगा किनारे एक जंगल में चार दोस्त रहते थे, खरगोश, सियार, बंदर और ऊदबिलाव। इन सभी दोस्तों की एक ही चाहत थी, सबसे बड़ा दानवीर बनना। एक दिन चारों ने एक साथ फैसला लिया कि वो कुछ-न-कुछ ऐसा ढूंढकर लाएंगे, जिसे वो दान कर सकें। परम दान करने के लिए चारों मित्र अपने-अपने घर से निकल गए। ऊदबिलाव गंगा तट से लाल रंग की सात मछलियां लेकर आ गया। सियार दही से भरी हांडी और मांस का टुकड़ा लेकर आया। उसके बाद बंदर उछलता-कूदता बाग से आम के गुच्छे लेकर आया। दिन ढलने को था, लेकिन खरगोश को कुछ नहीं समझ आया। उसने सोचा अगर वो घास का दान करेगा, तो उसे दान का कोई लाभ नहीं मिलेगा। यह सोचते-सोचते खरगोश खाली हाथ वापस चला गया। खरगोश को खाली हाथ लौटते देख उससे तीनों मित्रों ने पूछा, अरे! तुम क्या दान करोगे? आज ही के दिन दान करने से महादान का लाभ मिलेगा, पता है न तुम्हें। खरगोश ने कहा, हां, मुझे पता है, इसलिए आज मैंने खुद को दान करने का फैसला लिया है। यह सुनकर खरगोश के सारे दोस्त हैरान हो गए। जैसे ही इस बात की खबर इंद्र देवता तक पहुंची, तो वो सीधे धरती पर आ गए। इंद्र साधु का भेष बनाकर चारों मित्रों के पास पहुंचे। पहले सियार, बंदर और ऊदबिलाव ने दान दिया। फिर खरगोश के पास इंद्र देवता पहुंचे और कहा तुम क्या दान दोगे। खरगोश ने बताया कि वो खुद को दान कर रहा है। इतना सुनते ही इंद्र देव ने वहां अपनी शक्ति से आग जलाई और खरगोश को उसके अंदर समाने के लिए कहा। खरगोश हिम्मत करके आग के अंदर घुस गया। इंद्र यह देखकर हैरान रह गए। उनके मन में हुआ कि खरगोश सही में बहुत बड़ा दानी है और इंद्र देव यह देख बहुत खुश हुए। उधर, खरगोश आग में भी सही सलामत खड़ा था। तब इंद्र देव ने कहा, मैं तुम्हारी परीक्षा ले रहा था। यह आग मायावी है, इसलिए इससे तुम्हें कोई नुकसान नहीं पहुंचेगा। इतना कहने के बाद इंद्र देव ने खरगोश को आशीर्वाद देते हुए कहा, तुम्हारे इस दान को पूरी दुनिया हमेशा याद करेगी। मैं तुम्हारे शरीर का निशान चांद पर बनाऊंगा। इतना कहते ही इंद्र देव ने चांद में एक पर्वत को मसलकर खरगोश का निशान बना दिया। तब से ही मान्यता है कि चांद पर खरगोश के निशान हैं और इसी तरह चांद तक पहुंचे बिना ही, चांद पर खरगोश की छाप पहुंच गई।

कहानी से सीख- किसी भी काम को करने के लिए दृढ़ शक्ति का होना जरूरी है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष दौड़धूप अधिक रहेगी। बुरी खबर मिल सकती है। वाणी पर नियंत्रण रखें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। समाज में आपके कार्यों की आलोचना होगी।

वृषभ आज कार्य में की गई मेहनत सफल रहेगी। कार्यक्षेत्र में आपके कार्य की प्रशंसा होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। ऐश्वर्य के साधन मिलेंगे। व्यापार अच्छा चलेगा।

मिथुन पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। स्वाभिमान बना रहेगा। नौकरी में मनचाही पदोन्नति मिलने के योग बनेंगे।

कर्क यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। जोखिम न उठाएं। प्रसन्नता रहेगी। धर्म के कार्यों में रुचि आपके मनोबल को ऊंचा करेगी।

सिंह फालतू खर्च होगा। शारीरिक कष्ट संभव है। दूसरों पर अतिविश्वास न करें। वस्तुएं संभालकर रखें। स्थायी संपत्ति में वृद्धि होगी। व्यापार अच्छा चलेगा।

कन्या डूबी हुई रकम प्राप्त होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। सार्वजनिक कार्यों में समय व्यतीत होगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

तुला आपकी घर-बाहर पूछ-परख बनी रहेगी। नौकरी में योजना फलीभूत होगी। नए अनुबंध होंगे, प्रयास करें। प्रसन्नता रहेगी। व्यापार में नए प्रस्ताव मिलेंगे।

वृश्चिक राजकीय बाधा दूर होगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। प्रसन्नता रहेगी। अपनी वस्तुएं संभालकर रखें। जीवनसाथी से मतभेद।

धनु आज वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। कुसंगति से हानि होगी। आय कम होगी। नए संबंध लाभदायी सिद्ध होंगे।

मकर आपके कार्य की समस्त बाधा दूर होगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। चिंता रहेगी। प्रमाद न करें। अधूरे पड़े काम पूरे होने के योग हैं।

कुम्भ संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। शत्रु परास्त होंगे। बेरोजगारी दूर होगी। यात्रा, नौकरी व निवेश लाभदायक रहेंगे। व्यापार में कर्मचारियों पर अधिक विश्वास न करें।

मीन आपकी बाहरी यात्रा मनोरंजक रहेगी। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में अधिक व्यय से मनोबल कमजोर पड़ सकता है।

फिर दस्तक देगी राजकुमार व कृति की फिल्म मेरी शादी में जरूर आना

बॉलीवुड में फिल्मों को दोबारा रिलीज करने का चलन जोर पकड़ रहा है और दीपक मुकुट की सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट इस ट्रेंड में अपनी फिल्में जोड़ रहे हैं। सनम तेरी कसम (2016) की सफल री-रिलीज के बाद दीपक मुकुट अब 2017 में रिलीज हुई फिल्म शादी में जरूर आना को सिनेमाघरों में वापस लाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

इस दिन फिर दस्तक देगी फिल्म राजकुमार राव और कृति खरबंदा की फिल्म शादी में जरूर आना 7 मार्च को महिला दिवस पर री-रिलीज होगी। राजकुमार राव ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर फिल्म का पोस्टर जारी करते हुए इसकी री-रिलीज पर खुशी जाहिर की है। मूल रिलीज के समय यह फिल्म फ्लॉप साबित हुई थी। हालांकि, कुछ वर्षों के दौरान इस फिल्म ने अपनी कहानी से कई दर्शक जुटाए।

फ्लॉप रही थी फिल्म

इस फिल्म का बजट 13 करोड़ रुपये था। सिनेमाघरों में अपने प्रदर्शन के दौरान इस फिल्म ने 11.14 करोड़ रुपये की कमाई की थी। वहीं, अब री-रिलीज के बाद फिल्म की कमाई में उछाल आने की उम्मीद है। पहले 7 मार्च को जॉन अब्राहम की द डिप्लोमैट रिलीज होने वाली थी, लेकिन उसे एक हफ्ते के लिए आगे खिसका दिया गया, जो अब 14 मार्च को रिलीज होगी।

फिल्म की कहानी

ऐसे में 7 मार्च को कोई बड़ी रिलीज नहीं है, जिसका फायदा शादी में जरूर आना की री-रिलीज को मिल सकता है। फिल्म का निर्देशन रत्ना सिन्हा ने किया और इसका निर्माण विनोद बच्चन के सौंदर्या प्रोडक्शंस के तहत किया गया। शादी में जरूर आना आरती (कृति द्वारा अभिनीत) की कहानी है, जो सत्तू (राजकुमार द्वारा अभिनीत) के साथ अरेंज मैरिज करने के लिए तैयार होती है, लेकिन शादी के दिन भाग जाती है।

रणबीर अल्लाहबादिया को मिली 'सुप्रीम राहत'

विवादित टिप्पणी मामले में रणवीर अल्लाहबादिया को राहत मिल गई है। सुप्रीम कोर्ट ने उनके शो को पब्लिश करने की इजाजत दे दी है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने हिदायत दी है कि वह शो को पब्लिश करते वक्त मर्यादाओं का ख्याल रखें। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें ये राहत इसलिए दी क्योंकि उनके शो से 280 लोगों की अजीविका जुड़ी है।

रणवीर अल्लाहबादिया मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान सॉलिसीटर जनरल ने कहा है कि उन्होंने पूरा शो देखा है लेकिन इसमें कोई भी अभद्रता नहीं है लेकिन इसमें विकृति है। उन्होंने कहा कि हास्य एक चीज है, अश्लीलता एक चीज है। और विकृति दूसरे स्तर पर है।

इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने रणवीर अल्लाहबादिया के शो द रणवीर शो पर अगले आदेश तक किसी भी कंटेट को पब्लिश करने पर रोक लगा दी थी। इसके खिलाफ रणवीर अल्लाहबादिया ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। उन्होंने अदालत में अर्जी दी थी कि उन्हें कुछ राहत दी जाए। उन्होंने कहा था कि उनके यहां 280 कर्मचारी काम करते हैं। यह उनकी रोजी रोटी से जुड़ा मामला है।

एसजी मेहता ने रणवीर इलाहाबादिया के शो प्रसारित करने की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट से कहा कि इस पर पाबंदी जारी रखें। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने पॉडकास्टर रणवीर इलाहाबादिया को अपने शो में शालीनता बनाए रखने की शर्त पर द रणवीर शो का प्रसारण फिर से शुरू करने की इजाजत दी। सुप्रीम कोर्ट ने रणवीर इलाहाबादिया को द रणवीर शो मामले के बारे में किसी से बात करने से मना किया है। सुप्रीम कोर्ट ने रणवीर इलाहाबादिया को फिलहाल विदेश यात्रा की इजाजत देने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा है कि जांच में शामिल होने के बाद ही उन्हें बाहर जाने की इजाजत दी जा सकती है।

अल्लाहबादिया की विदेश में अतिथि के रूप में यात्रा करने की इजाजत देने की अर्जी के बारे में, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस प्रार्थना पर उनके जांच में शामिल होने के बाद विचार किया जाएगा।

बॉलीवुड | मन की बात

मैं बस दो स्वस्थ बच्चे चाहती हूं, जो भगवान मुझे दे : कियारा आडवाणी

कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा जल्द ही माता-पिता बनने वाले हैं। शुक्रवार को इस कपल ने घोषणा की कि वे अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रहे हैं। इस खुशखबरी को पाकर प्रशंसक बेहद खुश हैं और साथ ही कई सेलेब्स उन्हें इस खुशखबरी के लिए लगातार बधाई दे रहे हैं, जिसमें आलिया भट्ट से लेकर करण जौहर, शिल्पा शेट्टी, करीना कपूर खान के अलावा कई सेलेब्स शामिल हैं। हाल ही में कियारा का एक पुराना इंटरव्यू सामने आया है जिसमें वह हेल्दी और जुड़वा बच्चों का बात करती नजर आ रही हैं। कियारा की प्रेग्नेंसी की घोषणा के बाद अब यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में जब कियारा से पूछा गया कि अगर उनके जुड़वा बच्चे हों तो वह दो लड़कियां, दो लड़के या दोनों में से एक लड़का और एक लड़की चाहेंगी। इस सवाल के जवाब में कियारा ने कहा, मैं बस दो स्वस्थ बच्चे चाहती हूं, जो भगवान मुझे दे। करीना कपूर ने कहा कि यह मिस यूनिवर्स के जवाब जैसा लग रहा है। कियारा ने कहा कि वह एक लड़की और एक लड़का चाहती हैं। जब उनसे पूछा गया कि करीना के कौन सी क्वालिटी वह अपनी बेटी में देखना चाहेंगी, तो कियारा ने कहा, उनका कॉन्फिडेंस, उनके एक्सप्रेशन, और उनका औरा, उनकी सारी खूबियां क्योंकि वह 10 में से 10 हैं। यह इंटरव्यू कियारा, करीना, अक्षय कुमार और दिलजीत दोसांझ की फिल्म गुड न्यूज के प्रमोशन के दौरान कै है। 7 फरवरी, 2024 को कियारा और सिद्धार्थ ने अपनी शादी की दूसरी सालगिरह सेलिब्रेट की थी। कियारा ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक मजेदार वीडियो शेयर किया था। इस वीडियो के कैप्शन में लिखा था, कैसे यह शुरू हुआ और कैसा यह चल रहा है। हर चीज में मेरे पार्टनर को हैप्पी एनिवर्सरी। लव यू सिद्धार्थ।

क्या आपको मालूम है अधिकतर टॉयलेट सीट सफेद क्यों होती है? वजह है अजीब

घर हो या शॉपिंग मॉल, ऑफिस हो या फिर सिनेमा हॉल, आपने इन सारी जगह पर वॉशरूम देखे ही होंगे। इनमें जो टॉयलेट होते हैं, उनकी सीट किस रंग की होती है? आपका जवाब होगा सफेद! अधिकतर जगहों पर आपको सफेद टॉयलेट सीट ही नजर आएंगी, फिर चाहे वो इंडियन स्टाइल के टॉयलेट हों या फिर वेस्टर्न स्टाइल के कमोड। यूं तो मार्केट में नीली, काली, भूरी टॉयलेट सीट भी दिख जाती है, पर अधिकतर सफेद ही होती हैं। तो सवाल ये उठता है कि ऐसा क्यों है? आखिरकार इस सवाल का सही जवाब मिल गया है, जिसे आज हम आपको बताने जा रहे हैं।

अगर आप गौर से सोचें तो टॉयलेट सीट को गहरे रंग का रखना बेहतर विकल्प माना जा सकता है क्योंकि गहरे रंग में सीट की गंदगी साफ नहीं नजर आएगी, पर उसके बावजूद भी मार्केट में अधिकतर टॉयलेट सीट आपको सफेद ही दिखेंगी। ब्राइट साइड वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार अधिकतर टॉयलेट प्रोसिलेन के बने होते हैं। ये अच्छा मटीरियल होता है क्योंकि ये काफी सख्त होता है। आग में तपने के बाद इसकी सतह ग्लासी हो जाती है, वॉटरप्रूफ हो जाती है और स्टेनप्रूफ बन जाती है।

इस वजह से टॉयलेट्स को साफ करना भी आसान हो जाता है। अब आते हैं सफेद रंग के कारण पर। दरअसल, प्रोसिलेन को जब तेज आग में, यानी बहुत ज्यादा तापमान में जब तपाया जाता है तो उसका रंग सफेद हो जाता है। इसे अलग रंगों में भी बनाना मुमकिन है। बस करना ये होता है कि जिस भट्ठी में उसे जलाया जाता है, उससे पहले उसमें कोई रंग डाल दिया जाए। पर रंग के खर्चे से बचने के लिए और आसानी से काम को पूरा करने के लिए टॉयलेट सीट को सफेद ही बनाया जाता है। इस तरह सीट को बनाने का खर्च कम हो जाता है और वक्त भी कम लगता है। रंगों की थ्योरी के हिसाब से सफेद रंग को शुद्धता और स्वच्छता का प्रतीक भी माना जाता है। इसी वजह से अस्पतालों के चादर या पर्दे भी अधिकतर सफेद होते हैं। काले या भूरे रंग हमें ताजगी का एहसास नहीं दिलाते। सफेद टॉयलेट किसी भी बाथरूम में अच्छा लग सकता है क्योंकि वो किसी भी दीवार के रंग के साथ जा सकता है।

अजब-गजब | इस जंगल में बिकाऊ है अलीशान मकान

तीन करोड़ में बिक रहा है यह मकान चेतावनी देखकर भाग खड़े होते हैं लोग

जब भी कोई प्रॉपर्टी टूटी-फूटी हालत में होती है, तो उसे खरीदने वाले कम ही होते हैं। भले ही उसके साथ कितनी भी अच्छी-बुरी चीजें जुड़ी हुई हों, जब तक इसके साथ कोई अच्छी व्यापारिक डील न हो, तब तक कोई इस पर नजर भी नहीं डालता। इस वक्त एक ऐसी ही प्रॉपर्टी साढ़े 3 करोड़ रुपये में बिक रही है, जिसे देखकर ही लोग भाग खड़े होते हैं। डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक जंगल में बना हुआ ये घर इस कंडीशन में है कि कोई अगर इसे खरीदेगा, तो उसे इस पर अच्छा-खासा पैसा लगाना पड़ेगा। इतना ही नहीं इस घर पर ऐसी-ऐसी चीजें लिखी हुई हैं कि इसे लेना तो दूर लोग देखकर ही भाग जाते हैं। ये प्रॉपर्टी यूनाइटेड किंगडम के नॉरफ्लॉक में मौजूद ब्लोफील्ड नाम के गांव में है।

ये प्रॉपर्टी जंगल के बीच में है और यहां आसपास खाली जगह पड़ी हुई है। ये घर काफी बड़ा है और आसपास घेरदार बगीचा भी है, जो अब बंजर हो चुका है। Auction House East Anglia की ओर से इस घर को नीलाम किया जा रहा है। इस घर की कीमत £325,000 यानि भारतीय मुद्रा में 3 करोड़ 57,48,635 रुपये रखी गई है। घर पर खूनी पेंट से लिखा हुआ है — 'बाहर

ही रहो, ये प्राइवेट प्रॉपर्टी है।' घर के अंदर का हिस्सा काफी आलीशान है, लेकिन बाहर लिखी हुई ये हिदायत आने वालों को डरा देती है।

ऑक्शन हाउस के मुताबिक घर में 3 बेडरूम हैं लेकिन इन सभी को फिर से मरम्मत की बहुत ज़रूरत है। लंबे वक्त से इस घर का मालिक एक ही था लेकिन अब इसे बेचा जा रहा है। घर के आसपास इतनी ज़मीन है कि इसे बेहतरीन तरीके से रेनोवेट किया जा सकता है। पानी की पाइप और दूसरी चीज़ों को ठीक करने के लिए अच्छे-खासे पैसे और प्लानिंग की ज़रूरत है, जिसके बाद प्रॉपर्टी को इस्तेमाल किया जा सकता है।

कमलनाथ के बयान पर सियासी बवाल

पूर्व सीएम ने मप्र में पुलिस पर भाजपा का बिल्ला लगाकर घूमने का लगाया था आरोप

» सांसद विवेक बंटी बोले- भाजपा सरकार में अवैध धंधे नहीं चलेंगे

» माफी मांगें सांसद : बबेले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा में पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के बयान पर सांसद विवेक बंटी साहू के पलटवार से सियासत गरमा गई है। अब कांग्रेस के सौसर विधायक विजय चौरे ने विवादित बयान दिया है। चौरे ने भरी सभा में कहा है कि कलेक्टर, एसपी सुन लें, यदि कमलनाथ जी पर उंगली उठी तो छिंदवाड़ा में लाखों लाशें बिछ जाएंगी। दरअसल, कमलनाथ अपने छिंदवाड़ा प्रवास के दौरान हर्रई पहुंचे थे, जहां उन्होंने कानून-व्यवस्था को लेकर टीआई को चेतावनी दी थी। हर्रई थाना प्रभारी मार्को पर भाजपा का बिल्ला लगाकर घूमने की बात कही थी।

यहां तक कि उन्होंने भरे मंच से कहा था कि यह वर्दी ज्यादा दिन नहीं रहेगी। कमलनाथ के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए सांसद विवेक बंटी साहू ने कहा था कि अगर वर्दी ने उनकी धुलाई कर दी तो वे कहां जाएंगे? उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने अवैध धंधे पर लगाम लगाई है। कमलनाथ जी भूल गए हैं, अभी देश में मोदी जी का शासन है। मध्य प्रदेश में डा. मोहन यादव जी का शासन है। जिनकी एक ही मंशा है कि पुलिस बेहतर काम करे, और तुरन्त करवाई करें। पुलिस ने अपना काम कर रही है लेकिन कमलनाथ ने पुलिस को लेकर जो बयान दिया है वह निंदनीय है। उनको सोचना चाहिए कि छिंदवाड़ा की जनता ने उनकी धुलाई कर दी है, और अगर पुलिस ने उनकी धुलाई करना चालु की तब वे कहां जाएंगे? दरअसल इस बयान ने छिंदवाड़ा की राजनीति में उफान ला दिया है। कमलनाथ के पूर्व मीडिया सलाहकार पीयूष बबेले ने इस बयान पर कड़ा एतराज जताया है, और कहा है कि सांसद को तत्काल माफी मांगनी चाहिए।

कांग्रेस विधायक विजय चौरे बोले- लाशें बिछा देंगे

सांसद बंटी साहू के इस बयान को लेकर कांग्रेस ने ऐतराज जताया है, और उनसे माफी मांगने की बात कही है, यहां तक को सड़क पर उतरकर उग्र प्रदर्शन करने की चेतावनी भी दी है। इसमें विधायक विजय चौरे ने विवादास्पद बयान दे दिया। धरना प्रदर्शन के दौरान चौरे ने एसपी और कलेक्टर को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि कमलनाथ जी पर उंगली उठी तो छिंदवाड़ा में लाखों लाशें बिछ जाएंगी। इतना ही नहीं, उन्होंने सांसद बंटी साहू पर रेत चोरी के आरोप लगाए और भाजपा सरकार को भ्रष्टाचारी करार दिया। इस विरोध प्रदर्शन में छिंदवाड़ा के सभी कांग्रेस विधायक शामिल हुए, जिन्होंने कमलनाथ पर सांसद की टिप्पणी के खिलाफ रैली निकालकर जोरदार विरोध जताया। चौरे के इस बयान के बाद छिंदवाड़ा की राजनीति में हलचल बढ़ गई है। हालांकि, भाजपा की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

मंत्री पटेल के बयान के विरोध में कांग्रेस कल करेगी आंदोलन

पंचायत एवं श्रम मंत्री प्रहलाद पटेल के बयान पर सियासत गर्म है। पटेल के बयान के विरोध में अब कांग्रेस पांच मार्च को पूरे मप्र के सभी जिला मुख्यालयों पर विरोध प्रदर्शन कर पंचायत मंत्री के इस्तीफे की मांग करेगी। भोपाल में प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष और पूर्व मंत्री मुकेश नायक ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर यह जानकारी दी। इधर, मंत्री पटेल ने जबलपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा-जिस कार्यक्रम की बात की जा रही है, वह पूरी तरह से सामाजिक था, कोई राजनीतिक मंच नहीं था। उस कार्यक्रम में मेरे अलावा कांग्रेस के भी नेता मौजूद थे। जीतू पटवारी को अगर कार्रवाई करनी है, तो पहले उन कांग्रेसी नेताओं पर करें, जो मेरे साथ मंच पर थे।

बंद करें सीएम हेल्पलाइन और जनसुनवाई जैसी नौटंकी : पटवारी

मंत्री प्रहलाद पटेल की प्रेस कॉन्फ्रेंस का वीडियो शेयर कर जीतू पटवारी ने लिखा कि प्रदेशवासियों, दंभ अपनी बात दोहरा रहा है और इस बार भी बहुत साफ तौर पर कह रहा है कि मैंने पहले भी कहा है और भविष्य में कहता रहूंगा। मतलब यह है कि अपने हक और न्याय की मांग को लेकर भाजपा के मंत्रियों के पास जाने वाली मप्र की जनता भिखारी थी, भिखारी है और भिखारी ही बनी रहेगी। यदि यह सच है तो सीएम हेल्पलाइन और जनसुनवाई जैसी नौटंकी को भी बंद कर देना चाहिए, क्योंकि, वहां भी भाजपा को आवेदन के साथ जनता भिखारी ही दिखती होगी। मोहन सरकार के साथ नरेंद्र मोदी सत्ता के खिलाफ हम पूरे प्रदेश में चरणबद्ध आंदोलन करेंगे और भाजपा के अहंकार को जमीन पर लाएंगे।

आईपीएल : अजिंक्य रहाणे बने केकेआर के नये कप्तान

» ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर को मिला उपकप्तानी का जिम्मा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे को आईपीएल 2025 सीजन से पहले टीम का कप्तान बनाने की घोषणा की है, जबकि ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर टीम के उपकप्तान होंगे। रहाणे की अगुआई में केकेआर की टीम खिताब का बचाव करने के इरादे से उतरेगी। पिछले सत्र में श्रेयस अय्यर ने टीम की कमान संभाली थी और 10 साल के इंतजार के बाद टीम को खिताब दिलाया था। वेंकटेश अय्यर को केकेआर ने सर्वाधिक मूल्य देकर खरीदा था और वह आगामी सीजन में रहाणे के साथ मिलकर काम करेंगे। वेंकटेश लंबे समय से कोलकाता फ्रेंचाइजी का हिस्सा हैं।

गत चैंपियन केकेआर आईपीएल 2025 में अपने अभियान की शुरुआत 22 मार्च को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ कोलकाता के ईडेन गार्डेंस में होने वाले मैच से करेगी। कप्तान नियुक्त होने के बाद रहाणे ने कहा, केकेआर की कप्तानी करना सम्मान की बात है जो आईपीएल की सबसे सफल फ्रेंचाइजी में से एक है। मेरे ख्याल से हमारी टीम संतुलित और शानदार है। मैं खिताब का बचाव करने की चुनौती के लिए सभी के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं। रहाणे दो साल चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में बिताने में बाद केकेआर में वापसी कर रहे हैं। रहाणे ने 2022 सीजन में केकेआर के लिए सात मैच खेले और 133 रन बनाए। मुंबई के इस अनुभवी बल्लेबाज के पास आईपीएल में कप्तानी करने का भी अनुभव है। रहाणे ने 2018 और 2019 सीजन में राजस्थान रॉयल्स की कमान संभाली थी। रहाणे मुंबई रणजी टीम के कप्तान हैं और वह विराट कोहली की कप्तानी के दौरान भारतीय टीम के नियमित उपकप्तान भी रहे थे। रहाणे पहले भी केकेआर के लिए खेल चुके हैं और फ्रेंचाइजी ने रहाणे को मेगा नीलामी में उनके आधार मूल्य 1.5 करोड़ रुपये में खरीदा था।

रहाणे बोले- केकेआर की कप्तानी करना सम्मान की बात

ऋषभ लॉरियस वर्ल्ड कमबैक अवॉर्ड के लिए नामित

नई दिल्ली। भारतीय टीम के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को बड़ा सम्मान दिया जा सकता है। पंत को प्रतिष्ठित लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अवॉर्ड 2025 में साल के सर्वश्रेष्ठ कमबैक अवॉर्ड के लिए नामित किए गए हैं। यह पुरस्कार समारोह 21 अप्रैल को मैड्रिड में आयोजित होगा। बता दें पंत दिल्ली से रूड़की जाते वक्त 30 दिसंबर 2022 को कार दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। शुरुआत में उनका इलाज देहरादून में हुआ था और फिर उन्हें एयरलिफ्ट कर मुंबई लाया गया जहां बीसीसीआई के विशेषज्ञों की निगरानी में उनका इलाज चला। उनके घुटने के तीन लिगामेंट्स की सर्जरी की गई थी। पंत ने बंगलुरू में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में रिहैब किया था। पंत पिछले साल आईपीएल से मैदान पर वापसी करने में सफल रहे थे। पंत इसके बाद टी20 विश्व कप टीम में भी शामिल हुए थे। इसके बाद टेस्ट टीम में भी वापसी की थी।

भाजपा के साथ कोई गठबंधन नहीं : उमर

» बोले- हमारे विचार बीजेपी से नहीं खाते मेल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने स्पष्ट रूप से कहा कि उनकी पार्टी किसी भी प्रकार के भाजपा के साथ गठबंधन पर विचार नहीं कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि गठबंधन की कोई गुंजाइश नहीं है और न ही इसकी कोई आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने यह बयान श्रीनगर में मीडिया से बातचीत के दौरान दिया। उमर अब्दुल्ला ने आगे कहा कि उनके और भाजपा के विचार एक-दूसरे से मेल नहीं खाते। उनका मानना है कि अगर जम्मू-कश्मीर के विकास की बात करें तो उनके विचार और भाजपा के विचार काफी अलग हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि वे आगामी सत्र के दौरान हर मुद्दे पर चर्चा करेंगे, लेकिन भाजपा के साथ किसी भी प्रकार के गठबंधन पर कोई विचार नहीं किया जा रहा है। मुख्यमंत्री के इस बयान से यह स्पष्ट हो गया कि उनकी पार्टी की प्राथमिकता अपने विचारों और विकास योजनाओं पर ध्यान केंद्रित करना है, न कि किसी राजनीतिक गठबंधन की ओर बढ़ना। उमर अब्दुल्ला ने कहा, हम (भाजपा के साथ) किसी गठबंधन के बारे में बात नहीं कर रहे हैं, न ही इसकी कोई गुंजाइश है, न ही इसकी जरूरत है। हमारे विचार भी मेल नहीं खाते। अगर हम जम्मू-कश्मीर की बात करें तो हमारे विचार काफी अलग हैं। इससे पहले भी कई बार सीएम अब्दुल्ला द्वारा भाजपा के मामले में लचीला रवैया अपनाने पर उनके मोदी के करीब जाने के आरोप लग चुके हैं। पर इबार उन्होनें स्पष्ट करके अपनी मंशा बता दी की राज्य के लिए सिद्धांत नहीं छोड़ सकते।

सीएम ने की छाया मंत्रिमंडल के गठन की आलोचना

उमर अब्दुल्ला ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर कथित तौर पर छाया मंत्रिमंडल (शैडो कैबिनेट) गठित करने की आलोचना करते हुए कहा कि भारत में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारे देश में सिर्फ एक ही मंत्रिमंडल है। कोई 'छाया मंत्रिमंडल' नहीं है। अब तक यहां भाजपा ने राज किया है। अब जनता की सरकार अपना काम करेगी। हमने लोगों से उनकी उम्मीदों को पूरा करने का वादा किया है और हम अपने वादों पर कायम हैं। वहीं मुख्यमंत्री ने गुलाम सिब्तैन मसूदी के निवास पर जाकर अपनी संवेदना व्यक्त की, जिनका इस सप्ताह की शुरुआत में निधन हो गया था। मसूदी नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक हसनैन मसूदी के भाई और हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष मीरवाइज उमर फारूक के ससुर थे।

ईसीएनसी 2025 का वाराणसी में हुआ सफल आयोजन

» आईएपीईएन इंडिया की नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी घोषित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। आईएपीईएन इंडिया का वार्षिक सम्मेलन ईसीएनसी 2025 22-23 फरवरी को पहली बार उत्तर प्रदेश में वाराणसी में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस भव्य आयोजन का संचालन आईएपीईएन इंडिया के वाराणसी, लखनऊ, प्रयागराज, मेरठ और इटावा चैप्टर द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भारत के विभिन्न राज्यों के साथ-साथ एशिया और यूरोप के कई देशों से आए चिकित्सकों एवं आहार विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया।

सम्मेलन में पोषण एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में नवीनतम शोध, नवाचार और रणनीतियों पर गहन चर्चा हुई। आईएपीईएन इंडिया की नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की घोषणा सम्मेलन के दौरान की गई।

बिहार विस सभा में जमकर हंगामा

» सदन में उठा शिक्षकों के ट्रांसफर का मुद्दा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में बजट सत्र के दौरान सत्ता पक्ष व विपक्ष में जमकर वार-पलटवार जारी है। सोमवार नीतीश सरकार ने अपना अंतिम बजट पेश किया। विपक्ष ने बजट जनविरोधी बताकर खारिज कर दिया। दूसरे दिन भी विधान सभा में जमकर हंगामा हुआ। शिक्षकों का ट्रांसफर को लेकर विपक्ष ने सेरकार से सवाल पूछा। शिक्षा मंत्री ने कहा कि एप बन गया है बहुत जल्द कर लिया जाएगा।

वहीं एक अन्य विपक्ष के विधायक ने कहा कि ट्रांसफर पोस्टिंग में देरी होने के कारण इसमें भ्रष्टाचार की बू आ रही है। इस पर विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव ने कहा कि ऑनलाइन में क्या भ्रष्टाचार होगा? इसके बाद शिक्षा मंत्री ने कहा कि बिहार सरकार शिक्षकों के ट्रांसफर-पोस्टिंग प्रक्रिया पर तेजी से काम कर रही है। जहां जो कमियां सामने आ रही है, उसपर भी काम चल रहा है। विपक्ष ने सवाल किया कि महिलाओं और दिव्यांगों को कब तक ट्रांसफर होगा? शिक्षा मंत्री ने कहा कि शिक्षक अपने जिले में जाना चाहते हैं वह जा सकते हैं। सॉफ्टवेयर को अपडेट किया जाएगा।

लॉलीपॉप-झुनझुना लेकर पहुंचे राजद विधायक

बिहार विधान मंडल के बजट सत्र का मंगलवार को तीसरा दिन है। बिहार के बजट का विरोध जताते हुए महागठबंधन के नेताओं ने विधानसभा में जमकर प्रदर्शन किया। राष्ट्रीय जनता दल के विधायक मुकेश रोशन लॉलीपॉप और झुनझुना लेकर सदन पहुंच गए। उन्होंने विरोध जताते हुए कहा कि नीतीश सरकार ने बजट के नाम पर एक हाथ में लॉलीपॉप और दूसरे हाथ में झुनझुना थमा दिया है। न महिलाओं के खाते में पैसे आए, न वृद्धा पेंशन में बढ़ोतरी हुई, न युवाओं को नौकरी मिली। अब जनता भी इन लोगों को झुनझुना दिखाकर विदा करेगी। इधर, वाणिज्य कर विभाग के प्रभारी मंत्री व उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सदन में जीएसटी रिपोर्ट पेश करेंगे। इसके बाद जल संसाधन मंत्री विजय चौधरी की ओर से बांधों की सुरक्षा रिपोर्ट सदन में पेश किया जाएगा।

बिहार सरकार के खजाने में पैसा ही नहीं है : भाई वीरेंद्र

राजद विधायक भाई वीरेंद्र ने कहा कि बजट में बेरोजगार, किसान और महिलाओं के लिए कोई नयी योजना नहीं दी गई है। इसमें केवल घोषणाएं की गई है। धरातल पर यह बजट कहीं उतरती नहीं दिख रही है। यह केवल चुनावी बजट है। सरकार के खजाने में पैसे नहीं है। जनता भी समझ रही है कि हमारे हाथ में फिर से झुनझुना पकड़ा दिया गया। बजट की राशि बढ़ाने पर राजद विधायक ने कहा कि यह तो आंकड़े का खेल है। सरकार वेतन नहीं बढ़ा पा रही है तो पैसे कहां से लाएगी? आने वाले समय में हमारे नेता तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री बनेंगे। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार बीस साल से मुख्यमंत्री हैं लेकिन उन्होंने रोजगार नहीं दिया। आज बिहार में रोजगार का मतलब केवल तेजस्वी यादव है।

महंगाई और झूठ का थोक में उत्पादन बढ़ा: राहुल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भाजपा व मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा,कि मोदी सरकार में अगर कुछ थोक में 'मैन्युफैक्चर' (उत्पादन) हुआ है, तो वो है आर्थिक विफलता, बेरोजगारी, महंगाई और झूठ। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में आर्थिक विफलता, बेरोजगारी, महंगाई और झूठ का थोक में 'उत्पादन' हुआ है।

उन्होंने यह भी कहा कि 'अन्याय वाले कर' हटाकर, एकाधिकार मिटाकर और बैंक के दरवाजे खोलकर मजबूत भारत का निर्माण शुरू हो सकता है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा कि मोदी सरकार में अगर कुछ थोक में 'मैन्युफैक्चर' (उत्पादन) हुआ है, तो वो है आर्थिक विफलता, बेरोजगारी, महंगाई और झूठ। उन्होंने कहा, ''अन्याय वाले कर हटाओ, एकाधिकार मिटाओ, बैंक के दरवाज़े खोलो, हुनर को हक़ दिलाओ।

सपा नेता अबू आजमी पर एफआईआर दर्ज

» औरंगजेब की तारीफ पड़ी भारी
» शिवसेना ने की इस्तीफे की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अबू आजमी मुगल शासक औरंगजेब की प्रशंसा करने वाली अपनी विवादास्पद टिप्पणी को लेकर कानूनी मुसीबत में फंस गए हैं। इस टिप्पणी से आक्रोश फैल गया, जिसके बाद शिवसेना (शिंदे गुट) ने उनके खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे ने भी आजमी के खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज करने की मांग की है। शिवसेना (शिंदे गुट) ने अबू आजमी के खिलाफ मुंबई के मरीन ड्राइव पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है।

पूर्व विधायक और शिवसेना प्रवक्ता किरण पावस्कर ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ एसपी नेता के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए पुलिस से संपर्क किया। पार्टी ने उनके खिलाफ देशद्रोह का मुकदमा चलाने की मांग की है। इसके अतिरिक्त, शिवसेना सांसद नरेश म्हस्के ने बीएनएस धारा 299, 302, 356(1), और 356(2) के तहत एक अलग शिकायत दर्ज की। जिसके बाद ठाणे पुलिस ने वागले एस्टेट पुलिस स्टेशन में आजमी के खिलाफ मामला दर्ज किया। उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई और बढ़ने की आशंका है। म्हस्के ने यह भी आरोप लगाया कि मुगल शासक औरंगजेब की प्रशंसा करने वाली अबू आजमी की टिप्पणी से धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। औरंगजेब पर उनकी टिप्पणी के सिलसिले में सपा विधायक अबू आजमी के खिलाफ ठाणे के नौपाड़ा थाने में जीरो एफआईआर दर्ज की गई थी और इसे मुंबई के मरीन ड्राइव थाने में स्थानांतरित कर दिया गया था। इसके बाद आज मरीन ड्राइव पीएस में सीआर नंबर 59/25 के तहत धारा 299, 302, 356(1), 356(2) बीएनएस के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। आगे की जांच की जा रही है। महाराष्ट्र सपा अध्यक्ष अबू आजमी ने सोमवार को विवादित टिप्पणी करते हुए कहा कि इतिहास में औरंगजेब को गलत तरीके से चित्रित किया गया है। उन्होंने दावा किया कि औरंगजेब क्रूर शासक नहीं था और उसने कई मंदिर भी बनवाये थे।

केंद्र और राज्य सरकारें मुस्लिमों के साथ सौतेला व्यवहार कर रहीं: मायावती

» कहा- हानिकारक हो सकता है भेदभाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने केंद्र और राज्य सरकारों पर मुसलिमों के साथ सौतेला व्यवहार किए जाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों को सभी धर्मों के साथ समान व्यवहार करना चाहिए।

मायावती ने एक्स पर हिंदी में लिखे एक पोस्ट में कहा कि इस तरह का भेदभाव समाज में शांति और सद्भाव के लिए हानिकारक हो सकता है, जो बहुत चिंता का विषय है। उन्होंने लिखा,भारत सभी धर्मों को सम्मान देने वाला धर्मनिरपेक्ष देश है। ऐसे में केन्द्र व राज्य सरकारों को बिना पक्षपात के सभी धर्मों के मानने वालों के साथ एक जैसा बर्ताव करना चाहिए, किन्तु अब मुसलमानों के साथ धार्मिक मामलों में भी जो सौतेला रवैया अपनाया जा रहा है, यह न्यायसंगत नहीं। भारत सभी धर्मों को सम्मान देने वाला धर्मनिरपेक्ष देश है। ऐसे में केन्द्र व राज्य सरकारों को बिना पक्षपात के सभी धर्मों के मानने वालों के साथ एक जैसा बर्ताव करना चाहिए, किन्तु अब मुसलमानों के साथ धार्मिक मामलों में भी जो सौतेला रवैया अपनाया जा रहा है, यह न्यायसंगत नहीं।

मायावती ने कहा, सभी धर्मों के पर्व-त्योहारों आदि को लेकर पाबन्दियाँ व छूट से सम्बंधित जो नियम-कानून हैं उन्हें बिना पक्षपात एक जैसा लागू होना चाहिए, जो ऐसा होता हुआ नहीं दिख रहा है। इससे समाज में शान्ति व आपसी सौहार्द बिगड़ना स्वाभाविक, जो अति-चिन्तनीय। सरकारें इस ओर जरूर ध्यान दें।

किसान नेताओं के घर पुलिस का एक्शन

» चंडीगढ़ और बरनाला में कार्रवाई
» कल होना था धरना प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। भारतीय किसान यूनियन उगराहां के अध्यक्ष जोगिंदर सिंह उगराहां के घर भी पुलिस पहुंची है, मगर उन्हें किसान नेता घर पर नहीं मिले। पुलिस की कई टीमें बरनाला में भी किसान नेताओं के घर पहुंची है। पुलिस का ये एक्शन चंडीगढ़ में पांच मार्च को लगने वाले मोर्चे से पहले हुआ है। पंजाब के किसान नेता लगातार अपनी मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल कर बैठे है।

चंडीगढ़ में धरने से पहले ही किसान नेताओं के घर पर पुलिस की टीमें पहुंची है। पुलिस ने नेताओं के घर ये कार्रवाई की है। जानकारी के मुताबिक भारतीय किसान यूनियन उगराहां के अध्यक्ष जोगिंदर सिंह उगराहां के घर भी पुलिस पहुंची है, मगर उन्हें किसान नेता घर पर नहीं मिले। पुलिस की कई टीमें बरनाला में भी किसान नेताओं के घर पहुंची है। बता दें कि पुलिस का ये एक्शन चंडीगढ़ में पांच मार्च को लगने वाले मोर्चे से पहले हुआ है।

केंद्र ने तमिलों के साथ किया भेदभाव: स्टालिन

» सीएम ने 'हिंदी थोपे जाने का विरोध' विषय पर कार्यकर्ताओं को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई । तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने कथित तौर पर हिंदी थोपने को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए आश्चर्य जताया कि केंद्र सरकार ने उत्तर भारत के राज्यों के लोगों को तमिल या अन्य दक्षिण भारतीय भाषाएं सिखाने के लिए संस्थान स्थापित करने में मदद क्यों नहीं की।

'हिंदी थोपे जाने का विरोध' विषय पर कार्यकर्ताओं को संबोधित पत्र में स्टालिन ने कहा कि 'गूगल ट्रांसलेट', 'चैट (जीपीटी)' और कृत्रिम मेधा (एआई) जैसी तकनीक लोगों को संबंधी समस्याओं से निपटने में मदद करती हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों के लिए केवल आवश्यक तकनीक सीखना फायदेमंद होगा। किसी को थोपना उन पर केवल बोझ होगा। द्रमुक प्रमुख ने कहा कि गांधीजी का मानना था कि दक्षिणी राज्यों के लोग हिंदी सीखें और उत्तरी राज्यों के लोग दक्षिणी भाषाओं में से एक सीखें, जिससे राष्ट्रीय एकता का मार्ग प्रशस्त होगा और राष्ट्रपिता की इच्छा को पूरा करने के लिए दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा की स्थापना की गई थी। स्टालिन ने कहा कि गांधी जी ने खुद चेन्नई में सभा के मुख्यालय में कार्यक्रमों में हिस्सा लिया था और वर्तमान में ये सभा छह हजार केंद्रों के साथ दक्षिणी राज्यों में काम कर रही है।

इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने किसी का नाम लिए बगैर पूछा कि क्या उत्तर भारत में 'उत्तर भारत तमिल प्रचार सभा या द्रविड़ सभा' जैसा कोई संगठन स्थापित किया गया है, ताकि उत्तरी राज्यों के लोगों को दक्षिणी राज्यों की भाषाओं में से किसी एक को सीखने में सुविधा हो?

मुख्यमंत्री ने भाजपा का नाम लिए बिना उस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि जिन लोगों ने गंगा नदी के तट पर संत कवि तिरुवल्लुवर की प्रतिमा स्थापित करने का दावा किया था, उन्होंने उसे कूड़े के ढेर में फेंक दिया।

कहा- उत्तरी राज्यों में तमिल पढ़ाने के लिए संस्थान क्यों नहीं स्थापित किए

गोडसे के मार्ग पर चलने वाले गांधी के उद्देश्यों को कभी पूरा नहीं कर पाएंगे

उन्होंने आश्चर्य जताया कि क्या ऐसे लोग तमिल का प्रचार करने के लिए कोई संस्था स्थापित करेंगे। उन्होंने कहा कि 'जो लोग गोडसे के मार्ग पर चलते हैं, वे गांधी के उद्देश्यों को कभी पूरा नहीं कर पाएंगे।' दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, जिसे 1964 में संसद द्वारा राष्ट्रीय महत्व की संस्था घोषित किया गया था, की स्थापना 1918 में महात्मा गांधी ने दक्षिणी राज्यों में हिंदी का प्रचार करने के उद्देश्य से की थी और इसके पहले प्रचारक उनके पुत्र देवदास गांधी थे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।